



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 176]

No. 176]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 5, 2011/श्रावण 14, 1933

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 5, 2011/SRAVANA 14, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2011

अंतिम जांच परिणाम

(मध्यावधि समीक्षा)

विषय :—कोरिया गण. के मूल के बहाँ से निर्यातित रबड़ रसायन पी एक्स-13 (6 पी पी डी) के आवातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के बारे में मध्यावधि समीक्षा जांच संबंधी अंतिम जांच परिणाम।

सं. 15/21/2010-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए।

क. मामले की पृष्ठभूमि

सं. 15/21/2010-डी जी ए डी—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण), नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसके आगे प्राधिकारी कहा गया है) ने कोरिया गण. के मूल के या बहाँ से निर्यातित रबड़ रसायन पी एक्स-13 (6 पी पी डी) (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आरोपित पाटन के बारे में दिनांक 9 अगस्त, 2010 को मध्यावधि समीक्षा (एम टी आर) पाटनरोधी जांच शुरू की

थी। चीन के मूल के या वहां से निर्यातित कुछेक रबड़ रसायनों एम बी टी, सी बी एस, टी डी ज़ी, पी वी आई और टी एम टी तथा चीन एवं कोरिया गण के मूल के या वहां से निर्यातित रबड़ रसायन पी एक्स-13 (6 पी पी डी) के पाटित आयातों के विरुद्ध दिनांक 6 जुलाई, 2007 को मूल जांच शुरू की गई थी। प्राधिकारी ने दिनांक 28 फरवरी, 2008 के प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर चीन जन.गण. और कोरिया गण से पी एक्स-13 (6 पी पी डी) के आयातों पर दिनांक 5 मई 2008 की सी.शु. अधिसूचना सं. 61/2008 की सी.शु. के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था अंतिम जांच परिणाम 1 अक्टूबर, 2008 की अधिसूचना के तहत अधिसूचित किए गए थे और राजस्व विभाग ने 12 दिसंबर, 2008 की अधिसूचना सं. 133/2008-सी.शु. के तहत चीन जन.गण. और कोरिया गण. से पी एक्स-13 (6 पी पी डी) पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया था।

2. और यतः पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा करनी अपेक्षित होती है और यदि प्राधिकारी उसे प्राप्त सकारात्मक सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि ऐसे शुल्क को निरंतर लागू रखने का कोई औचित्य नहीं है तो प्राधिकारी शुल्क समाप्त करने के बारे में केन्द्र सरकार को सिफारिश कर सकता है। उपर्युक्त उपबंध के होते हुए भी किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए प्रस्तुत सकारात्मक सूचना के आधार पर, बशर्ते निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद उचित समयावधि बीत गई हो, इस बात की समीक्षा करनी अपेक्षित होती है कि क्या पाटन समाप्त करने के लिए शुल्क को निरंतर लागू रखना आवश्यक है, क्या शुल्क समाप्त किए जाने या उसे परिवर्तित किए जाने की स्थिति में क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने या दोनों की संभावना है। उपर्युक्त उपबंध के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को मै. नेशन आर्गेनिक कैमिकल इंडस्ट्रीज लि. (जिसे आगे नोसिल या घरेलू उद्योग कहा गया है) द्वारा दायर एक आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें कोरिया गण. के मूल के या वहां से निर्यातित रबड़ रसायन पी एक्स-13 (6 पी पी डी) पर लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की जरूरत की पुष्टि की गई थी और संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क को बढ़ाने/उसमें संशोधन करने का अनुरोध किया गया था। दिनांक 1 अक्टूबर, 2008 की अधिसूचना सं. 14/5/2007-डी जी.ए डी के तहत अधिसूचित अंतिम जांच परिणामों की समीक्षा करने का निर्णय लेने के उपरांत प्राधिकारी ने नियम 23 के अनुसार मध्यावधि समीक्षा जांच शुरू की।

ख. प्रक्रिया

3. वर्तमान जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

प्राधिकारी को अन्य बातों के साथ-साथ इस आधार पर कि मौजूदा शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है, पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसकी राशि को बढ़ाने की जरूरत के संबंध में मै. नेशनल आर्गेनिक कैमिकल इंडस्ट्रीज लि., मुंबई (नोसिल) से एक विधिवत पुष्टीकृत आवेदन प्राप्त हुआ। आवेदक ने लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसकी राशि को बढ़ाने का अनुरोध करते हुए इस संबंध में प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य प्रस्तुत किया।

- i) स्वयं को इस बात से संतुष्ट करने के बाद कि याचिकाकर्ता ने समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए पर्याप्त सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की है, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार दिनांक 9 अगस्त, 2010 की अधिसूचना सं. 15/21/2010-डी जी ए डी के तहत कोरिया गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधिक समीक्षा जांच शुरू की। वर्तमान समीक्षा के क्षेत्र में पूर्ववर्ती अधिसूचना के सभी पहलू शामिल हैं।
- ii) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को इस अनुरोध के साथ जांच शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था कि वे उक्त देश के निर्यातकों/उत्पादकों वगे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।
- iii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को उपलब्ध कराई। अनुरोध करने पर आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी।
- iv) प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी सार्वजनिक सूचना की प्रति याचिकाकर्ता के अलावा भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात उत्पादकों को भेजी।
- v) प्राधिकारी ने नियम 6(2) और 6(4) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को जांच शुरूआत संबंधी सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया। सूचना निम्नलिखित निर्यातक अर्थात् कुम्हो पैट्रोकैमिकल कं. लि., कोरिया गण. (के के पी सी) को भेजी गई थी।

vi) कुम्हो पैट्रोकेमिकल कं. लि., कारिया गण. ने निर्धरित प्रपत्र में और ढंग से प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है ।

vii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित समस्त ज्ञात आयातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को जांच शुरूआत संबंधी सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।

क्र.सं.	आयातक का नाम
1.	जे. के. इंडस्ट्रीज लि., कोलकाता
2.	सिएट लिमिटेड, मुंबई
3.	अपोलो टायर्स लि., कोच्चि
4.	बिरला टायर, कोलकाता
5.	एम आर एफ लि. चेन्नई
6.	मैटरों टायर्स लि., लुधियाना
7	पोदार टायर्स लिमिटेड, लुधियाना
8	रॉयसन इंड लि., नई दिल्ली
9.	रबड़ प्रॉडक्ट लि., थाने

- ix) अधिसूचना के उत्तर में आटोमोटिव टायर मैन्यु. एसो. (ए टी एम ए) से उत्तर प्राप्त हुआ था, जिस पर विचार किया गया था ।
- x) जिन निर्यातकों, उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है अथवा इस जांच से संगत सूचना प्रदान नहीं की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है ।
- xi) यह जांच 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी । तथापि, क्षति जांच वर्ष 2006-07, 2007-08, 2008-09 तथा 2009-10 (अर्थात् जांच अवधि) की अवधि के लिए की गई थी ।

- xii) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि और जांच अवधि से पूर्व के तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था, जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे ।
- xiii) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर कीमत का निर्धारण करने के लिए आवेदक तथा अन्य घरेलू उत्पादकों से सूचना मांगी गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी । आवेदक द्वारा प्रदत्त आंकड़ों का आवश्यक समझी गई सीमा तक भौके पर सत्यापन किया गया था ।
- xiv) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 19.01.2011 तथा 16.03.2011 को आयोजित मौखिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान किया । जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त किए थे, उनसे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था । हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों/उत्तरों में दिए गए तर्कों पर अंतिम जांच परिणाम में जहां संगत पाया गया है, विचार किया गया है ।
- xv) जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों तथा प्रदत्त सूचना/साक्ष्य पर प्राधिकारी ने साक्ष्य द्वारा समर्थित सीमा तक और वर्तमान जांच से संगत समझी गई सीमा तक उचित विचार किया है । जांच के दौरान प्राधिकारी ने प्रदत्त सूचना की पर्याप्तता और सत्यता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया । घरेलू उद्योग से क्षति के बारे में अतिरिक्त/पूरक सूचना मांगी गई थी जो प्राप्त भी हो गई थी ।
- xvi) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के जरिए उपलब्ध किया जिसे नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।
- xvii)**** यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने गुण-दोष के अनुसार उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है ।
- xviii) जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ही जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।
- xix) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार

गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदत्त पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

ग विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध

4. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

- i. मूल जांच और वर्तमान समीक्षा जांच में भी शामिल विचाराधीन उत्पाद रबड़ रसायन पी एक्स-13 (6 पी पी डी) है।
- ii. पूर्ववर्ती जांच और वर्तमान जांच के बीच विचाराधीन उत्पाद के बारे में कोई अंतर नहीं हुआ है। विचाराधीन उत्पाद का विवरण और क्षेत्र वही रखा जा सकता है जैसा कि पूर्ववर्ती जांच में था।
- iii. विचाराधीन उत्पाद के प्रयोक्ता उद्योग को दो व्यापक खंडों अर्थात् टायर एवं गैर-टायर खंडों में विभाजित किया जा सकता है। इन दोनों खंडों में रबड़ रसायन पी एक्स-13 (6 पी पी डी) का उपयोग प्राकृतिक एवं सिथेटिक रबड़ के विभिन्न प्रकारों के प्रसंस्करण हेतु किया जाता है। इस उद्योग में यह प्रमुख निविष्टि/कच्ची सामग्री नहीं है और यह केवल प्रसंस्करण रसायन है।
- iv. उत्पाद का आठ अंकीय स्तर पर कोई अन्य वर्गीकरण नहीं है। उत्पाद का आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 और 38 के अंतर्गत किया जाता है। वस्तुतः उत्पाद का आयात कुछ ऐसे वर्गीकरणों के अंतर्गत किया जा रहा है जो संबद्ध उत्पाद के लिए विशिष्ट रूप से निर्धारित नहीं हैं।
- v. पूर्ववर्ती जांच और वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच के बीच विचाराधीन उत्पाद के बारे में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु विचाराधीन उत्पाद का विवरण और क्षेत्र वही रखा जा सकता है जैसा कि पूर्ववर्ती जांच में था।

ग.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

5. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

- i. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को उचित ढंग से अभिज्ञात नहीं किया है और उत्पाद का कोई उचित वर्गीकरण नहीं किया है जैसा कि इस तथ्य से कहा जा सकता है कि परियोजना आयातों, प्रयोगशाला रसायनों आदि से संबंधित शीर्ष

98 सहित अध्याय के विभिन्न शीर्षों और ब्रेजिंग तथा शॉल्ड रिंग पाउडर एवं पेस्ट से संबंधित शीर्ष 38.10 को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया गया है जबकि सही वर्गीकरण 381230 ।

- ii. निर्दिष्ट प्राधिकारी सही सीमाशुल्क वर्गीकरण निर्धारित करने के अपने दायित्व से बच नहीं सकते जिसके लिए उन्होंने थाई एक्रीलिक फाइबर कं. लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में सेस्टेट के निर्णय के साथ अपने तर्क का समर्थन किया है ।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

6. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि चूंकि वर्तमान समीक्षा जांच एक मध्यावधि समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद वही रहता है जैसा कि पूर्ववर्ती जांच में परिभाषित किया गया है । प्राधिकारी ने 1 अक्टूबर, 2008 की अधिसूचना सं. 14/5/2007- डी जी ए डी के तहत मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया है :

 - ") 6 सी, पिफ्लैक्स 13, सिरांटीक्स 4020, एंटी ऑक्सीडेंट 4020, कुम्होनेक्स 13, वल्का नोक्स 4020 आदि जैसे अन्य व्यापार/ब्रांड नामों वाला पी एक्स- 13 (6 पी पी डी) जिसका रासायनिक वर्णन एन- (1,3-डाइमिथायल बुटायल)-एन" फिनायल-पी-1 है ।"

7. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि "समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;
8. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पी एक्स-13 में संबद्ध देश से आयातित पी एक्स-13 के समान विशेषताएं हैं । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित पी एक्स - 13 नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं ।
9. जहां तक विचाराधीन उत्पाद के वर्गीकरण का संबंध है, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध वस्तु के लिए कोई अनन्य आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण नहीं है और विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम तथा आई टी सी एच एस वर्गीकरण के सी.शु. वर्गीकरण शीर्षों 38.12.10; 38.12.20 तथा 38.12.30 एवं 29.34.20 व 29.25.20 (छ: अंकीय स्तर) के विभिन्न उप शीर्षों के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि,

प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उत्पादों को उपर्युक्तानुसार उनके संबंधित व्यापार नामों और रासायनिक वर्णनों के नाम से जाना जाता है। अतः ऊपर उल्लिखित सीमाशुल्क एवं आईटी सी एच एस वर्गीकरण केवल साकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

घ. घरेलू उद्योग

घ.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध

10. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- i. मध्यावधि समीक्षा हेतु वर्तमान याचिका मै. नोसिल, मुंबई ने दायर की है। भारत में रबड़ रसायन के दो अन्य उत्पादक अर्थात् मै. लैंक्सेस इंडिया प्रा.लि., थाणे तथा पी एम सी रबड़ कैमिकल्स इंडिया प्रा.लि., हुगली हैं। यह माना जाता है कि मर्केम लि., एर्णाकुलम की योजना विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु सुविधाएं स्थापित करने की है।
- ii. पाटन की मात्रा इतनी अधिक थी कि कुछ भारतीय उत्पादकों ने संबद्ध वस्तु का विनिर्माण पर्याप्ततः बढ़कर किया और वे वस्तुतः व्यापारी बन गए और रबड़ रसायनों का आयात करने लगे जबकि अन्य उत्पादक अंतिम चरण में मध्यावर्तियों का आयात कर रहे हैं जहां भावी प्रसंस्करण कुल उत्पादन कार्यकलापों के रूप में नगण्य होता है।
- iii. चाहे उत्पादन का आयात कर रहे या विदेशी उत्पादकों से संबंधित ऐसे अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन को भारत में कुल उत्पादन में शामिल किया जाए या उससे अलग रखा जाए, याचिकाकर्ता का उत्पादन संबद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है।
- iv. नोसिल देश में संबद्ध रबड़ रसायनों का प्रमुख उत्पादक है।

घ.2 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

11. "घरेलू उद्योग" के बारे में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

12. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नानुसार उपबंध है:-

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समा वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा जो उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादा उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादा का एक बड़ा हिस्सा बाता है, परंतु जब

ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु केन्द्रीयांतकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग हीं माना जाएगा ।

13. वर्तमान जांच में मै. नोसिल लि. ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया है ।

प्राधिकारी ने संबंधित उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों से संबद्ध वस्तु के उत्पादन के ब्यौरे भी मांगे थे । इसके उत्तर में उपायुक्त, के. उ. शु. कार्यालय, कोचीन से सूचना प्राप्त हुई थी । रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार कुल भारतीय उत्पादन के प्रतिशत के रूप में मै. नोसिल का उत्पादन पी एक्स-13 के मामले में 84% बनता है । अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि वर्तमान मामले में जांचाधीन रबड़ रसायन पी एक्स-13 के कुल भारतीय उत्पादन के संबंध में मै. नोसिल लि. भारत में संबद्ध वस्तु का एक प्रमुख उत्पादक है ।

उ किए गए अनुरोध एवं उठाए गए बुद्धे

उ.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध

14. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- i. नियम 23(1) में व्यक्त या अव्यक्त ऐसा कोई उपबंध नहीं है जो निर्दिष्ट प्राधिकारी को शुल्क समाप्त किए जाने का कोई औचित्य न होने की स्थिति में समीक्षा में प्राप्त "सूचना" के आधार पर मूल जांच परिणाम में लगाए गए शुल्क से अधिक या कम शुल्क लगाने की सिफारिश करने से निवारित करता हो । "निरंतर लागू रखना" अभिव्यक्ति समीक्षा में निर्धारित दरें होंगी । इसके अलावा, पाटनराधी नियमावली के नियम 6 से 11 और 16 से 20 के उपबंध आवश्यक परिवर्तनों सहित समीक्षा कार्यवाहियों में लागू किए जाएंगे । इस प्रकार, क्षति (नियम 11 के उपबंध के अनुसार), पाटन, वास्तविक क्षति और पाटन तथा वास्तविक क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के निर्धारण मूल्यांकन आवश्यक परिवर्तनों सहित सभी प्रकार की जांचों चाहे वह आरंभिक, मध्यावधि या निर्णयक समीक्षा हो, करना होगा । नियम 17(1)(ख) में यह स्पष्ट उल्लेख है कि प्राधिकारी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश कर सकते हैं जिसे यदि लागू किया जाएगा तो उससे यथा प्रयोज्य घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी ।
- ii. नियमों में "अपेक्षानुसार" समीक्षा करने का प्रावधान है । "अपेक्षानुसार" की व्याख्या "जब आवश्यक हो और ऐसे स्रोतों के संबंध में जिन्हें आवश्यक समझा जाता हो ।" अतः कानून में प्राधिकारी से अपेक्षा की गई है कि वह आवश्यक होने पर ही अन्य देशों के खिलाफ समीक्षा जांच शुरू करें ।

उ.2 हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

15. हितबद्ध पक्षकारों ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- मध्यावधि समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क की राशि को बढ़ाना पाटनरोधी नियमावली, 1995 के प्रतिकूल है। डी जी ए डी लागू पाटनरोधी शुल्क को कम कर सकता है यदि वह यह महसूस करे कि ऐसे शुल्क को निरंतर लागू रखने का कोई औचित्य नहीं है। इस मामले में "ऐसा" शुल्क पूर्ववर्ती जांच में निर्धारित शुल्क की दर होगी। यदि "ऐसी" शुल्क दरों पर शुल्क जारी रखना अपेक्षित नहीं है तो पाटन एवं क्षति की वर्तमान स्थिति प्रदर्शित करने के लिए शुल्क दरों में अधोगामी संशोधन किया जाए। तथापि, नियम 23 और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 (क) 5 के एक साथ पाटन से यह पर्याप्ततः स्पष्ट हो जाता है कि अधिनियम और नियमों में पाटनरोधी शुल्क की दर को बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है।
- पी एक्स-13 के बारे में मूल जांच चीन जन.गण. और दक्षिण कोरिया के खिलाफ होने के कारण डी जी ए डी केवल दक्षिण कोरिया के खिलाफ जांच शुरू नहीं कर सका। मूल जांच में डी जी ए डी ने संबद्ध देशों अर्थात् दक्षिण कोरिया और चीन जन.गण. से हुए आयातों का भारत में घरेलू उद्योग की स्थिति पर संचयी प्रभाव की जांच की थी। चूंकि यह निर्धारित किया गया है कि दक्षिण कोरिया और चीन जन.गण. दोनों से हुए निर्यातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है इसलिए डी जी ए डी को इस बात की जांच करने की जरूरत है कि क्या चीन जन.गण. और दक्षिण कोरिया, दोनों से पाटन एवं क्षति जारी रहने की संभावना है। अतः डी जी ए डी समीक्षा के क्षेत्र को केवल दक्षिण कोरिया तक सीमित नहीं रख सकता। चीन जन. गण. को संबद्ध मध्यावधि समीक्षा जांच के दायरे से अलग रखने की कोई कानूनी अपेक्षा नहीं है।

उ.3 प्रकटन विवरण पश्चात घरेलू उद्योग के अनुरोध

16. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी के समक्ष दायर पूर्ववर्ती अनुरोधों में प्रस्तुत सभी तथ्यों, तर्कों, कथनों और विवरणों तथा लागू पाटनरोधी शुल्क को बढ़ाने के अनुरोधों को दोहराया है। घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं:-

- पाटन मार्जिन : पूर्ववर्ती जांचों की तुलना में पाटन मार्जिन में भारी वृद्धि हुई है। याचिका में किए गए अनुरोध कि अनुसार निर्यातक ने पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समायोजित कर लिया है।
- सिनार्ग कैम को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा : मूल जांच के बाद सिनोर्ग कैम के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इसके अलावा, न तो के के पी सी ने और न ही सिनोर्ग कैम ने सिनोर्ग कैम के विधिक दर्जे में किसी खास परिवर्तन की पुष्टि करते हुए कोई सामग्री उपलब्ध नहीं कराई है। कंपनी के कुछेक

अलग—अलग अनुसंधान संस्थानों से दीर्घावधिक संबंध हैं, जिनमें से कुछ राज्य के स्वामित्व वाले हैं और जो उसके विकास सलाहकार भी हैं। सिनार्ग कैम ने रक्षोपाय जांचों में भाग लिया और के के पी सी के साथ विशेष संबंध का खंडन नहीं किया। महानिदेशक, रक्षोपाय ने यह माना है कि सिनार्ग कैम और के के पी सी में विशेष संबंध हैं।

- ग. पाटन मार्जिन की कार्य प्रणाली : वर्तमान मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण विधिवत् समायोजनों और एस जी ए, ब्याज तथा लाभ जोड़ने के बाद उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया जाना चाहिए।
- घ. क्षति रहित कीमत की समीक्षा की जाए : विचाराधीन उत्पाद के लिए व्यय प्रभारित करने में याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई आनुपातिक कार्य प्रणाली की उत्पादन लागत के सामान्यीकरण के समय उपेक्षा नहीं की जा सकती। नियत खर्चों को किसी विशेष अवधि के लिए निर्धारित किया जाए और वे उसी कंपनी के लिए हों। तथापि, नियत खर्च उत्पाद के लिए निर्धारित नहीं किए गए हैं। इनमें और उत्पादन स्तर में अंतर है। ऐसा मामला होने के कारण वर्तमान मामले में नियत खर्चों को सामान्यीकृत करना उचित होगा। इसके अलावा, निर्धारित कार्यशील पूँजी काफी कम है। ऐसा प्रतीत होता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी अब बाजार कीमत पर आबद्ध निविष्टियों पर विचार नहीं कर रहे हैं। ऐसा मामला होने के कारण विचारित लगाई गई पूँजी में (क) नियत परिसंपत्तियों और (ख) आबद्ध निविष्टि के उत्पादन हेतु अपेक्षित पूँजी को शामिल किया जाना चाहिए।
- ड. घरेलू उद्योग को हुई क्षति : संबद्ध देश से हुए आयातों में समग्र रूप में और भारत में हुए कुल आयातों, उत्पादों, उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि हुई है। वर्तमान पाटनरोधी शुल्क और संबद्ध देश से आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयातों से घरेलू कीमतों में भारी कटौती हो रही है, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है।
- च. रक्षोपाय संबंधी जांच परिणाम : पाटनरोधी शुल्क की मात्रा काफी कम होने के कारण आयातों में वृद्धि इतनी अधिक हुई है कि विस्तृत जांच के बाद महानिदेशक (रक्षोपाय) निम्नानुसार निष्कर्ष निकालते हैं।
290. उपर्युक्त जांच परिणाम को ध्यान में रखते हुए अंतिम निर्धारण यह है कि भारत में एन 1, 3-डाइमिथाइल बुटाइल-एन फेनीलिनडायामाइन (पी एक्स-13 या 6 पी पी डी) के सर्वाधिक आयातों से गंभीर क्षति हुई है और एन 1, 3-डाइमिथाइल बुटाइल-एन फेनीलिनडायामाइन (पी एक्स-13 या 6 पी पी डी) के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति होने का खतरा भी उत्पन्न हो गया है। गंभीर क्षति और घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति के खतरे की रोकथाम करने तथा सकारात्मक समायोजन को सुकर बनाने के लिए रक्षोपाय शुल्क की राशि निकालने में लगाई गई पूँजी पर उचित लाभ पर बिकी की भारित औसत लागत एवं आयात की औसत पहुंच लागत (मूल सीमाशुल्क, उपकर को लेते हुए) पर विचार किया गया है। जांचाधीन उत्पाद पर रक्षोपाय शुल्क की राशि निकालते समय भी विचार किया गया है। इसके अलावा, परिकलित रक्षोपाय शुल्क में अधोगामी सामान्यीकरण किया गया है ताकि अंतिम प्रयोक्ताओं और उपभोक्ताओं के हित में घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए आयात किए जा सकें।

ड.4 प्रकटन विवरण के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

- 17.क. के के पी सी के लिए सामान्य मूल्य की गणना कानून के उपबंधों के प्रतिकूल है ।
- (i) प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि मूल जांच में अंतिम जांच परिणाम जारी होने के बाद सिनार्गकेम की एम ई टी में परिवर्तन नहीं हुआ है और इस प्रकार के के पी सी द्वारा व्यय की गई लागत में 6 पी डी के उत्पादन से संबद्ध लागत का उचित प्रदर्शन नहीं होगा । हम प्राधिकारी की प्रस्तावित कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हैं ।
- (ii) संबद्ध देशों के भाग के रूप में चीन को शामिल किए बिना और कोई साक्ष्य प्रदान करने का अवसर चीन के निर्यातकों को दिए बिना चीन जन.गण. के बारे में पूर्ववर्ती निर्णय पर प्राधिकारी ने स्पष्ट तौर पर और अस्पष्ट तौर पर एक उचित, निष्क्रिय तथा तथ्यप्रक समीक्षा जांच करने की जिम्मेवारी से हटकर काम किया है ।
- (iii) सिनोरकैम से के पी सी द्वारा जिस कीमत पर कच्ची सामग्री (4 ए डी पी ए) की खरीद की गई है, वह सामूली अधिक है या परिकलित सामान्य मूल्य हेतु घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई *** रूपए प्रति किग्रा की कीमत के बराबर है । ऐसी स्थिति में के पी सी की वास्तविक लागत की अनदेखी करने की कोई जरूरत नहीं थी ।
- (iv) के पी सी की उत्पादन लागत को किसी सैद्धांतिक मूल्य से प्रतिस्थापित किया जाना सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (6 क) का घोर उल्लंघन होगा । डब्ल्यू टी ओ कानूनों में भी प्राधिकारी को यह प्राधिकार नहीं दिया गया है कि वह मात्र इस वजह से बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में लागत की अनदेखी करे कि कच्ची सामग्री की खरीद किसी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से की गई है ।
- (v) प्राधिकारी ने ‘निविष्टि पाटन’ की अवधारणा पर अमल करने का प्रस्ताव किया है जो डब्ल्यू टी ओ : ए डी ए में शामिल नहीं है । मौजूदा भारतीय कानून में ‘निविष्टि पाटन’ को मान्यता नहीं है और इसलिए राहत का निर्धारण करने और उसकी व्यवस्था करने का प्रश्न नहीं उठता भले ही ‘निविष्टि पाटन’ की अवधारणा की स्थिति उत्पन्न हो गई हो ।
- (vi) जिस कीमत पर के पी सी ने चीन से निविष्टियों की खरीद की है, उस कीमत की अनदेखी कर डी जी ए डी ‘निर्यात कीमत’ को वह व्यवहार प्रदान कर रहा है जिसकी अनुमति मौजूदा पाटनरोधी नियमों में नहीं है ।
- (vii) निविष्टि की एन एम ई की विशेषताएं उस समय समाप्त हो जाती हैं जब वे बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में किसी असंबद्ध केंता को बिकी किए जाने के बाद एन एम ई देश की सीमा पार कर जाती है । चीन जन.गण. से निविष्टि का आयात करने के बाद के पी सी ने कोरिया में 40 प्रतिशत का मूल्यवर्धन प्राप्त किया और जब ऐसे पर्याप्त मूल्यवर्धन के बाद घरेलू बाजार में वस्तु की बिकी की जाती है तो यह नहीं कहा जा सकता कि कोरिया

गण. के घरेलू बाजार में बेची गई तैयार वस्तु उन एन एम ई स्थितियों द्वारा प्रभावित हुई हैं जिनमें चीन जन.गण. में कच्ची सामग्री की खरीद की गई थी ।

- (viii) चीन से भारत को निर्यातित 4 ए डी पी ए पर कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं है । प्राधिकारी ने कोरिया गण. को हुए निर्यातों के अनुरूप चीन जन.गण. में खपत की गई 4 ए डी पी ए का सामान्य मूल्य भी निर्धारित नहीं किया है । इस कारण से भी के पी सी की वास्तविक खरीद कीमत भी अस्वीकार नहीं की जाएगी ।
- (ix) पाटनरोधी नियमावली में प्राधिकारी को किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश को किसी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से निर्यात कीमत की अनदेखी करने का प्राधिकार नहीं है । इस संबंध में गैट 1947 के अनुच्छेद vi के पैरा 2 पर भरोसा किया जाता है ।
- (x) यदि 4 ए डी पी ए के वास्तविक खपत मानकों पर विचार किया जाए तो सामान्य मूल्य काफी कम होगा । समीक्षा याचिका में एक सीन पर 0.835 का खपत मानक उपयोग में लाया गया है । डी जी एफ टी मानकों के अनुसार 4 ए डी पी ए की खपत केवल 0.705 है न कि 0.835. है । के पी सी की खपत परिशिष्ट 6 के सत्यापर के अनुसार केवल **** है । यह ज्ञात नहीं है कि प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य की गणना में कौन सा खपत मानक अपनाया गया था ।
- (xi) इस समीक्षा में जांच अवधि के दौरान 4 ए डी पी ए की अंतर्राष्ट्रीय कीमत का कोई नया साक्ष्य न होने की स्थिति में प्राधिकारी को यह अनुमान लगाना चाहिए कि प्राधिकारी द्वारा सिनार्ग कैम की स्थिति के बारे में लगाए गए अनुमान के अनुसार कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और उन्हें उस कीमत पर विचार करना चाहिए जिसका उपयोग मूल जांच में किया गया था ।
- ख. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 और सीमाशुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (5) के पाटन से यह स्पष्ट हो जाता है कि अधिनियम या नियमावली में किसी मध्यावधि समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क की दर को बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है । “परिवर्तित” अभिव्यक्ति से शुल्क में अधोगामी संशोधन अभिप्रेत है न कि शुल्क में उर्ध्वगामी संशोधन ।
- ग. चीन जन. गण. को संबद्ध एम टी आर के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए था । यद्यपि, चीन जन.गण. से आयात कीमत कोरिया गण से आयात की कीमत से काफी अधिक है तथापि, पूर्ववर्ती देश की कीमत से अभी भी घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है और कम कीमत पर बिकी हो रही है । अतः चीन जन. गण. से हुए आयात भी घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति का एक प्रमुख कारण है ।

- घ. क्षति की मौजूदगी की पुष्टि प्रकटन विवरण में विश्लेषित विभिन्न क्षति मानकों के रूप में न किए जाने से सतत वृद्धि की प्रवृत्ति का स्पष्ट पता चलता है और क्षति का कोई संकेत नहीं मिलता है।
- ड. इस बात पर विचार करते हुए कि घरेलू उद्योग 14, 500 मी.ट. की कुल घरेलू मांग की तुलना में 11,500 मी.ट. की क्षमता से अधिक की मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। हमारा प्राधिकारी से अनुरोध है कि प्रथम वर्ष के लिए प्रथम 3000 मी.ट. के आयातों पर और दूसरे वर्ष के दौरान प्रथम 3600 मी.ट. के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क न लगाया जाए।
- च. महानिदेशक (रक्षोपाय) ने रक्षोपाय शुल्क लगाने हेतु संबद्ध वस्तु के आयात के खिलाफ 6 जून, 2011 के अपने जांच परिणाम के तहत भारत में संबद्ध वस्तु के आयात पर 30 प्रतिशत की उच्चतम दर पर रक्षोपाय शुल्क की सिफारिश की है। घरेलू उद्योग को हुई आरोपित समूची क्षति रक्षोपाय शुल्क लगाने से समाप्त हो जाएगी। अंतः हमारा प्राधिकारी से अनुरोध है कि इस समय पाटनरोधी शुल्क न लगाया जाए।
- छ. प्राधिकारी को के पी सी की उत्पादन लागत को उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए और “सामान्य मूल्य” के रूप में घरेलू बिकी कीमत पर विचार करना चाहिए। इसके अलावा, यूके घरेलू उद्योग को काई क्षति नहीं हो रही है इसलिए प्रकटन विवरण में किए गए प्रस्ताव को अमल में लाया जाना चाहिए।

ड.5. प्राधिकारी द्वारा जांच

18. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच अन्य बातों के साथ-साथ पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार शुरू की गई थी। पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी न केवल पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की जरूरत की जांच कर सकते हैं। अपितु उस राशि का निर्धारण भी कर सकते हैं जिसकी सिफारिश रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना/आंकड़ों के आधार पर करने की जरूरत है।
19. मध्यावधि समीक्षा जांच में प्राधिकारी नियमों में यथा निर्धारित विभिन्न आर्थिक मापदंडों के आधार पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की जरूरत की जांच करते हैं।
20. जहां तक कोरिया गण. के खिलाफ शुरू की गई समीक्षा का संबंध है, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि प्राधिकारी के लिए एक या अधिक स्रोत से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण करना तभी अपेक्षित होता है जब क्षति के संचयी निर्धारण हेतु कानून में निर्धारित शर्तें पूरी होती हों। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि केवल कोरिया गण. के बारे में मध्यावधि समीक्षा इस आशय की सकारात्मक सूचना के आधार पर

शुरू की गई है कि लागू पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद भी चीन जन.गण. से आयातों की पहुंच कीमत से काफी अधिक है। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि चीन से हुए आयात और कोरियाई आयात के बीच कीमत में काफी अंतर होने के कारण चीन के खिलाफ समीक्षा अपेक्षित नहीं है।

21. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी से इस बात की जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर आयात हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है या वास्तविक क्षति होने की संभावना है और ऐसा होने की स्थिति में वह ऐसी क्षति समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश कर सकते हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए के पी सी द्वारा इस आधार पर कि घरेलू उद्योग समूची मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं है, पाटनरोधी शुल्क से संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के आयात के कुछ भाग को छूट देना स्वीकार्य नहीं है।

22. जहां तक के पी सी के इस अनुरोध का संबंध है कि घरेलू उद्योग को कई आर्थिक मापदंडों के संबंध में कोई क्षति नहीं हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिकी हुई थी।

23. घरेलू उद्योग और के पी सी द्वारा उठाए गए अन्य मुददों पर इस जांच परिणाम के संगत शीर्षों में उनकी संगतता के अनुसार कार्रवाई की गई है।

च पाटन मार्जिन का निर्धारण

च.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध

24. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- जिस कीमत पर कोरिया गण. के घरेलू बाजार में आयातित उत्पाद की बिक्री की गई है वह कीमत ही सामान्य मूल्य की यथोचित द्योतक है।
- निर्धारित उत्पादन लागत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री से जुड़ी लागत का उचित प्रदर्शन होना चाहिए।
- के के पी सी द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन काफी अधिक है।
- पूर्ववर्ती जांच में प्राधिकारी ने भारत को यूरोप से 4 ए डी पी ए की निर्यात कीमत स्वीकार की थी। वर्तमान अवधि में लैंकसस द्वारा संयंत्र हटा देने और कोई उत्पादन न होने के कारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से 4 ए डी पी ए का कोई

आयात नहीं हुआ है। अतः याचिकाकर्ता का प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह भारत के लिए चीन से 4 ए डी पी ए का निर्यात कीमत पर विचार करे और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था तथा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के बीच कीमत अंतर हेतु उसे समुचित ढंग से समायोजित करें।

- v. प्राधिकारी को प्रथम सिद्धांत के रूप में ऐसी आबद्ध निविष्टि की बाजार कीमत पर विचार करना चाहिए। यदि किसी वजह से बाजार कीमत उपलब्ध नहीं है तो याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि निर्यातक को उत्पादन लागत का समस्त विवरण उपलब्ध करना चाहिए और ऐसी आबद्ध निविष्टि पर उचित लाभ जोड़ने के बाद उस पर विचार किया जाना चाहिए।

च.2 हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

25. हितबद्ध पक्षकारों ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- i. समक्षा याचिका में घरेलू उद्योग ने अलग-अलग तरीकों अर्थात् घरेलू उद्योग द्वारा 4 ए डी पी ए की खरीद लागत के संवर्धित खपत मानक और उनकी लागत के आधार पर परिकलित सामान्य मूल्य; कोरिया में 6 पी पी डी के आयातों के आधार पर सामान्य मूल्य; और मूल जांच तथा वर्तमान समीक्षा जांच के बीच कच्ची सामग्री की लागत में कथित परिवर्तनों के आधार पर सामान्य मूल्य के जरिए सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया है।
- ii. याचिकाकर्ता द्वारा सुझाई गई इस कार्यप्रणाली से दक्षिण कोरिया को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने का संकेत मिलता है कि सामान्य मूल्य का परिकलन घरेलू उद्योग द्वारा 4 ए डी पी ए की खरीद लागत के आधार पर किया जाए। दक्षिण कोरिया जैसे किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए उद्गम के देश में प्रचलित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया जाएगा।
- iii. जहां तक सामान्य मूल्य के मुद्दे का संबंध है, यह भी उल्लेखनीय है कि मूल जांच में डी जी ए डी ने इस आधार पर के के पी सी द्वारा व्यय की गई 4 ए डी पी ए की वास्तविक लागत अस्वीकृत कर दी थी कि इसे गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश अर्थात् चीन से खरीदा गया है। उक्त निर्णय गलत और विधिक रूप से स्वीकार्य नहीं था। याचिकाकर्ता के लिए सिनोर्ग कैम. की निर्यात कीमत की अनदेखी करने की कोई अपेक्षा प्रतीत नहीं होती है। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान के के पी सी द्वारा वास्तव में व्यय की गई 4 ए डी पी ए की लागत याचिका में घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त अंतर्राष्ट्रीय कीमत से अधिक है। इस प्रकार समीक्षा अवधि के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा

व्यय की गई लागत अधिक है और उससे बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं। इस वजह से भी याचिकाकर्ता की वास्तविक लागत को सामान्य मूल्य के निर्धारण में स्वीकार किया जाएगा।

- iv. किसी प्राधिकार के बिना डी जी ए डी के पास पाटनरोधी नियमावली, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम अथवा डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार में किए गए प्रावधान के अनुसार पाटन मामलों में निविष्टि की जांच करने की शक्ति नहीं है। डब्ल्यू टी ओ सदस्यों ने भी यह स्वीकार किया है कि ऐसी पद्धति गैट के प्रतिकूल है।
- v. पाटन मार्जिन में कोई वृद्धि न होने पर डी जी ए डी द्वारा शुल्क दर में परिवर्तन करने का कोई वास्तविक आधार नहीं है।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

26. 9 (1)(ग) के अधीन, "किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

च.3. (i) सामान्य मूल्य

27. सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती जांच में निम्नानुसार निष्कर्ष निकाला है:

59. अतःप्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि ऐसी स्थिति में जहां 6 पी पी डी के उत्पादन में प्रयुक्त प्रमुख निविष्टि अर्थात् 4 ए डी पी ए की खरीद केवल गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी से की गई है, वहां कुम्हो पेट्रोकैमिकल्स की 4 ए डी पी ए की वास्तविक खरीद कीमत के उपयोग से 6 पी पी डी के उत्पादन से जुड़ी लागत का उचित प्रदर्शन नहीं होगा ।

60. उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी ने उत्पादन लागत तथा बिक्री का समायोजन बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी देश से 4 ए डी पी ए की अंतर्राष्ट्रीय कीमत और कुम्हो पेट्रोकैमिकल्स की वास्तविक खरीद कीमत के बीच अंतर द्वारा किया है । तदनुसार, पी एक्स-13 (6 पी पी डी) की संशोधित बिक्री लागत *** अम.डॉ. प्रति किग्रा. बनती है । बिक्री की इस समायोजित लागत पर कुम्हो पेट्रोकैमिकल्स द्वारा जांच अवधि के दौरान की गई घरेलू बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच पर खरी नहीं उतरती है । तदनुसार घरेलू बिक्री से उचित तुलना नहीं हो सकती । अतः प्राधिकारी ने 9 क (1) (ग) (ii) के अनुसार कुम्हो पेट्रोकैमिकल्स के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है ।

61. इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से 4 ए डी पी ए की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर कोरिया गण. में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए और दावा किए गए एवं सत्यापित किए गए अनुसार अन्य लागत की अनुमति देकर सामान्य मूल्य की गणना की है । इस प्रकार निकाली गई बिक्री लागत पर औसत लाभ मार्जिन पर विचार किया गया है । तदनुसार प्राधिकारी द्वारा पी एक्स-13 (6 पी पी डी) के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है जो *** अम. डॉ. प्रति किग्रा. बनता है ।

28. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि मूल जांच से लेकर वर्तमान जांच में कोई अंतर नहीं आया है जिसकी वजह यह है कि कुम्हो पेट्रोकैमिकल्स द्वारा उसी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी से प्रमुख निविष्टि 6 ए डी पी ए की खरीद की जा रही है और मूल जांच में अंतिम जांच परिणाम जारी होने के बाद प्राधिकारी की जानकारी में ऐसा कोई तथ्य या साक्ष्य नहीं लाया गया है कि उक्त कंपनी के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में कोई परिवर्तन हुआ है । अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उक्त गैर-बाजार

अर्थव्यवस्था वाली कंपनी से के के पी सी द्वारा 4 ए डी पी ए की वास्तविक खरीद कीमत में पी एक्स-13 (6 पी पी डी) की उत्पादन लागत से जुड़ी लागत उचित रूप से प्रदर्शित नहीं हागी । इसके अलावा जांच अवधि और वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच में किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से भारत में 4 ए डी पी ए का आयात नहीं हुआ है ।

29. चूंकि जांच अवधि और इस समीक्षा के दौरान 4-ए डी पी ए की अंतर्राष्ट्रीय कीमत प्रदर्शित करने वाला कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है इसलिए प्राधिकारी ने 4 ए डी पी ए की उत्पादन लागत का परिकलन किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने 4 एन डी पी ए का ही उत्पादन किया है जो 4 ए डी पी ए से पूर्व का चरण है और प्राधिकारी ने पारंपरिक आधार पर 4 ए डी पी ए की लागत का निर्धारण करने के लिए उसी लागत को स्वीकार किया है । घरेलू उद्योग की 4 ए डी पी ए की उत्पादन लागत स्वीकार करते समय अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर घरेलू उद्योग के सर्वोत्तम उपयोग, परिवर्तन लागत एवं घरेलू उद्योग के एस जी ए व्यय तथा उचित लाभ मार्जिन पर विचार किया गया है ।

30. प्राधिकारी ने 4 ए डी पी ए की परिकलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत (घरेलू उद्योग के आंकड़ों के आधार पर संगणित) तथा के के पी सी की वास्तविक खरीद कीमत के बीच अंतर तक पी एक्स-13 (6 पी पी डी) की उत्पादन लागत और बिक्री को समायोजित किया है । इस प्रकार परिकलित पी एक्स-13 (6 पी पी डी) की संशोधित बिक्री लागत *** अम. डॉ. प्रति कि.ग्रा. बनती है । इस समायोजित लागत पर जांच अवधि और इस मध्यावधि समीक्षा के दौरान के के पी सी द्वारा की गई पी एक्स-13 (6 पी पी डी) की घरेलू बिक्री ओ सी टी जांच पर खरी नहीं उत्तरती हैं । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने अधिनियम की धारा 9(क) (1) (ग) (iii) के अनुसार कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स के लिए पी एक्स-13 (6 पी पी डी) के सामान्य मूल्य का निम्नानुसार परिकलन किया है ।

31. प्रधिकारी ने के पी सी और उपर्युक्त पैराग्राफ में स्पष्ट किए गए आधार पर संगणित 4 ए डी पी ए के उपयोग के अनुसार कोरिया गण. में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए वर्तमान मामले में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का परिकलन किया है । दावा किए गए और सत्यापित किए गए अनुसार के पी सी की अन्य लागत (अन्य कच्ची सामग्री की लागत, परिवर्तन लागत, एस जी ए व्यय आदि) को भी हिसाब में लिया गया है । इसके अलावा, उचित लाभ की भी अनुमति दी गई है । इस प्रकार संगणित पी एक्स-13 (6 पी पी डी) का सामान्य मूल्य *** अम. डॉ. प्रति कि.ग्रा. बनता है ।

च.3(ii) कोरिया गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

32. प्राधिकारी ने कोरिया के असहयोगी निर्यातकों के लिए के के पी सी हेतु निकाले गए *** अम. डॉ. प्रति किग्रा. के सामान्य मूल्य को ही स्वीकार किया है।

च.3(iii). निर्यात कीमत

33. प्राधिकारी द्वारा किए गए मौके पर सत्यापन से यह पता चला कि अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, (अंतिम हैंडलिंग प्रभार, लदान शुल्क बिल, हैंडलिंग प्रभार, घाटभाड़ा सहित), समुद्री बीमा, सीमाशुल्क दलाली शुल्क, बैंक प्रभार, कमीशन एवं निर्यात बिक्री पर प्राप्त शुल्क वापसी हेतु नकारात्मक कटौती क्रमबद्ध रूप में है जिनका मिलान संबंधित रिकार्ड से किया गया है। प्रतिवादी उत्पादक ने निर्यात उत्तर में *** अम. डॉ. प्रति किग्रा. की कारखाना निर्यात कीमत सूचित की है जिसे प्राधिकारी ने सही पाया है।

च.3(iv). कारिया गण. के असहयोगी निर्यातक के लिए निर्यात कीमत

34. कोरिया गण के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में आई बी आई एस के आयात आंकड़ों के आधार पर न्यूनतम निर्यात कीमत पर विचार किया गया है। समुद्री भाड़े आदि जैसे समायोजनों की अनुमति उतनी ही दी गई है जितनी उपर्युक्तानुसार कंपनी प्रचालनकर्ता निर्यातकों के संबंध में दी गई है ताकि कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत निकाली जा सके इस पद्धति से प्राधिकारी ने कोरिया गण. के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में पी एक्स-13 (6 पी पी डी) की कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत *** अम. डॉ. प्रति किग्रा. निकाली है।

च.3(v). पाटन मार्जिन

35. कारखाना स्तर पर इस प्रकार की निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निवल निर्यात कीमत के आधार पर कोरिया गण के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए जांच अवधि के दौरान पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

पाटन मार्जिन की गणना

क्र. सं.	निर्यातिक/उत्पादक	पाटन मार्जिन (अम.डॉ./किग्रा)	पाटन मार्जिन (%)
1	मै. के के पी सी	****	15-25
2	ऊपर यथा उल्लिखित कोरिया गण के अन्य सभी निर्यातिक/उत्पादक	****	20-30

च.3(vi). परिवर्तित परिस्थितियों का स्थायी स्वरूप और पाटन की संभावना

36. घरेलू उद्योग ने यह कहते हुए डब्ल्यूटीओ प्राटनरोधी करार का अनुच्छेद 11.2 तथा पाटनरोधी नियमावली का नियम 23 उद्भूत किया है कि मध्यावधि समीक्षा सही ढंग से शुरू की गई है क्योंकि उन्होंने समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की थी। यद्यपि, उनका यह मानना है कि ऐसी अपेक्षा का प्रावधन नियम 23 में नहीं किया गया है।
37. प्राधिकारी की परंपरा के अनुसार इस बात की जांच की गई थी कि क्या परिवर्तित परिस्थितियों को स्थायी स्वरूप की कहा जा सकता है अथवा क्या पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि न किए जाने पर संवर्धित पाटन की संभावना होगी। जांच के बाद यह पाया गया था कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण क्षति हो रही है। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान निर्यातिक ने भारत से इतर देशों को संबद्ध वस्तु का पर्याप्त निर्यात किया था।

छ. क्षति निर्धारण एवं क्षति तथा कारणात्मक संबंध की जांच

छ.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध

38. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:-

- संबद्ध देश से आयातों में समग्र रूप में और भारत में कुल आयात, उत्पादन तथा खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयातों के कारण घरेलू कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है।

- iii. आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है । अतः आयातों के कारण बाजार में अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हो रही है ।
 - iv. देश में भारी मांग के बावजूद उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मूल्य एवं मात्रा, लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह, मालसूची एवं बाजार हिस्से के रूप में घरेलू उद्योग का निष्पादन इष्टतम से कम रहा ।
 - v. घरेलू उद्योग को उत्पादन धारा हुआ ।
 - vi. निर्यातों के जरिए माल के समापन के बावजूद घरेलू उद्योग की मालसूची काफी उच्च स्तर पर है ।
 - vii. अतः संबद्ध देश से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति जारी है ।
 - viii. घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है ।
 - ix. क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए मौजूदा उपाय पर्याप्त नहीं है ।
 - x. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया जा रहा है जिससे पाटन हुआ है ।
39. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से संचयी एवं सामूहिक रूप से यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

छ.2 निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

40. हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- i. अनुबंध-II के पैरा (2) के अनुसार क्षेत्र के क्षेत्र का विश्लेषण करने के लिए डी जी ए डी को न केवल समान वस्तु के घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत की जांच करनी चाहिए अपितु घरेलू उत्पादकों पर प्रभाव की भी जांच करनी चाहिए ।
- ii. चीन जन.गण. और कोरिया गण. के बीच कीमत में काफी अंतर है ।
- iii. घरेलू उद्योग को क्षति निर्यातों में हुए धारे के कारण हुई है ।
- iv. मध्यावधि समीक्षा के लिए विधिक अपेक्षा यह है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन "अत्यधिक खराब" होना चाहिए अथवा वह उसी स्तर पर रहना चाहिए ।

- v. वर्तमान समीक्षा जांच के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. से आयातों का असंचयन अपेक्षित नहीं है ।
- vi. मूल जांच में निर्धारित किए गए पाटनरोधी शुल्क से अधिक शुल्क लगाना अधिनियम अथवा पाटनरोधी नियम के विरुद्ध है ।
- vii. डी जी ए डी ने वर्तमान जांच में प्रस्तुत साक्ष्य की सत्यता तथा प्रामाणिकता की जांच नहीं की है ।
- viii. डी जी ए डी के लिए चीन जन.गण. से हुए निर्यातों को भी शामिल करना अपेक्षित है क्योंकि मात्र दक्षिण कोरिया से हुए निर्यातों के आधार पर सतत क्षति नहीं हो सकती ।
- ix. दक्षिण कोरिया से वस्तु के आयात के बारे में मात्रा एवं कीमत पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि विभिन्न मापदंडों में अत्यधिक सुधार हुआ है ।
- x. असंबद्ध देशों से आयातों के क्षतिकारी प्रभाव की जांच करने के लिए उचित प्रथक्करण अपेक्षित है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसा दक्षिण कोरिया से हुए आयातों के कारण नहीं हुआ है ।
- xi. घरेलू उद्योग को अपने विचार की पुष्टि करने के लिए यह प्रदर्शित करना होगा कि वर्ष 2008, जब शुल्क पहली बार लागू किया गया था, से घरेलू उद्योग की स्थिति खराब हुई है ।
- xii. जैसा कि 2008-09 और 2009-10 के आंकड़ों से देखा जा सकता है घरेलू उद्योग के उत्पादन से क्षति का पता लगाना महत्वपूर्ण है ।
- xiii. कीमत कटौती घरेलू उद्योग के खराब निष्पादन का कारण नहीं हो सकती क्योंकि समस्त क्षति मापदंडों में पर्याप्त वृद्धि देखी जा सकती है ।
- xiv. पी एक्स-13 पर पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद नोसिल के पास घरेलू मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं है ।
- xv. घरेलू उद्योग सार्वजनिक सुनवाई के लिए आधार वर्ष को 2006 से बदलकर 2001 नहीं कर सकता ।
- xvi. घरेलू उद्योग द्वारा मध्यावधि समीक्षा और निर्णायक समीक्षा में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त पी एक्स- 13 के आंकड़े एक समान हैं क्योंकि ई यू और चीनी ताइपेई से आयातों के कारण हुई क्षति की वजह कोरिया गण और विलोमतः हुए आयातों से हुई क्षति नहीं मानी जा सकती ।

xvii. घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ई यू तथा चीनी ताइपेई से हुए आयातों और कोरिया गण. से हुए आयातों के बीच कोई भेद नहीं है, अतः इन्हें डी जी ए डी द्वारा अस्वीकृत किया जाना चाहिए ।

xviii. निम्नलिखित के कारण कोई कारणात्मक संबंध नहीं हैं :

क. असंबद्ध देशों से हुए आयात ।

ख. घरेलू उद्योग से निर्यात ।

xix. घरेलू उद्योग प्रयोक्ता उद्योग की मांग को पूरा नहीं कर सकता ।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

41. प्राधिकारी ने आई बी आई एस आंकड़ों के अनुसार आयात आंकड़ों पर विचार किया है । परवर्ती पैराग्राफों में प्राधिकारी ने क्षति मापदंडों का विश्लेषण नियमानुसार किया है ।

i. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।

ii. उत्पादन लागत - प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान निर्धारण हेतु स्वीकार की गई उत्पादन लागत प्राधिकारी की संगत पद्धति पर आधारित है । जहां तक क्षति रहित कीमत के निर्धारण के बारे में घरेलू उद्योग की प्रकटन पश्चात टिप्पणियों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति रहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध में उल्लिखित सिद्धांतों और इस संबंध में अपनाई गई परंपरा के आधार पर किया गया है ।

iii. मध्यावधि समीक्षा में प्राधिकारी को यह समीक्षा करनी होती है कि क्या पहले से लागू शुल्क की राशि से पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है । अतः जांच वर्तमान पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के अलावा संभावना एवं पुनरावृत्ति के बारे में भी है । प्राधिकारी ने तदनुसार उपलब्ध सूचना की जांच की है ।

42. जहां तक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग प्रयोक्ता उद्योग की मांग की पूर्ति नहीं कर सकता, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटनरोधी नियमों में यह अपेक्षा नहीं की गई है कि पाटन से हुई क्षति का निवारण कराने के लिए घरेलू उद्योग को प्रयोक्ता उद्योग की मांग की पूर्ति करनी चाहिए।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

43. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (ii) में प्रावधान है कि "पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष अत्यधिक वृद्धि हुई है". इस प्रकार, जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, यह जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

44. निम्नलिखित तालिका में आयात मात्रा एवं बाजार हिस्से के बारे में वास्तविक स्थिति संक्षेप में दी गई है :

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
आयात मात्रा					
कोरिया गण.	मी.ट.	3336	3158	2980	6030
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	89	181
चीन जन.गण.	मी.ट.	1570	3287	1795	1831
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	209	114	117
अन्य देश	मी.ट.	746	415	831	1967
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	56	111	264
कुल आयात	मी.ट.	5652	6860	5606	9828
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	99	174
आयातों का हिस्सा					
कोरिया गण.	%	59.03	46.04	53.16	61.35
चीन जन.गण सहित अन्य देश	%	40.97	53.96	46.84	38.65

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयातों में भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध देश के बाजार हिस्से में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है और जांच अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है।

मांग का निर्धारण

46. संबद्ध वस्तु की घरेलू खपत/मांग का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री मात्रा भारत में हुए कुल आयातों में जोड़ी गई है जिसका संक्षेप में व्यौरा निम्नानुसार है :

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
कुल मांग					
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	138	133	198
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	135	156	79
कोरिया गण. से आयात	मी.ट.	3,336	3,158	2,980	6,030
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	89	181
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.	1570	3287	1795	1831
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	209	114	117
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	746	415	831	1967
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	56	111	264
कुल मांग	मी.ट.	8,753	11,095	10,053	14,311
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	115	164
मांग में बाजार हिस्सा					
भारतीय उद्योग की बिक्री (आदेवक + अन्य भारतीय उत्पादक)	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	125	88
संबद्ध देशों से आयात	%	38.12	28.47	29.64	42.13
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	75	78	111
चीन जन.गण. सहित अन्य देशों से आयात	%	26.45	33.37	26.12	26.54
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	99	100

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में पी एक्स 13 की मांग में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और उसमें भारी वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में लगभग 64 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

कीमत प्रभाव

48. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत प्रभाव का पता लगाने के लिए प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में ह्रास हुआ है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती। कीमत कटौती की मात्रा का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ की है। निवल बिक्री प्राप्ति का आकलन समस्त रिवेटों और करों को घटाने के बाद किया गया था। आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना लागू पाटनरोधी उपाय पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई थी।

49. किसी समीक्षा जांच में इस बात की जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत प्रभाव पड़ा है अथवा क्या शुल्क न बढ़ाए जाने की स्थिति में कीमत प्रभाव की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
पहुंच मूल्य - पाटनरोधी शुल्क रहित	रु. / किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	76	113	88
पहुंच मूल्य - पाटनरोधी शुल्क रसहित	रु. / किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	76	119	94
निवल बिक्री प्राप्ति	रु. / किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	125	115
कीमत कटौती-पाटनरोधी शुल्क रहित	रु. / किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	346	322	556
कीमत कटौती-पाटनरोधी शुल्क सहित	रु. / किग्रा.	****	****	****	****

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	346	231	465
कीमत कटौती-पाटनरोधी शुल्क रहित	%	0-10	15-25	10-20	25-35
कीमत कटौती-पाटनरोधी शुल्क सहित	%	0-10	15-25	5-15	15-25

50. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोरिया गण से पी एक्स 13 के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से कम है। कोरिया गण से आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भारी कटौती हो रही है। पहुंच मूल्य में मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को जोड़ने के बाद भी संबद्ध देश से कीमत कटौती सकारात्मक है।

कम कीमत पर बिक्री

51. प्राधिकारी ने कम कीमत पर बिक्री की मात्रा का निर्धारण घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ करते हुए की है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

	एन आई पी रु./ किग्रा.	पहुंच मूल्य रु./ किग्रा.		कम कीमत पर बिक्री (%)	
		पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित	पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित
मै. के के पी सी	****	****	164.70	****	****
कोरिया गण. से अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	****	****	156.98	20-30	25-35
				25-35	30-40

52. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

क. कोरिया गण. से पी एक्स 13 के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है। इस प्रकार कोरिया गण. से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम कीमत पर बिक्री हो रही है। पहुंच मूल्य में मौजूदा पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद भी कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है।

ख. घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिकी प्राप्ति से अधिक है। अतः घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु (पी एक्स-13) की उचित बिकी कीमत (अर्थात् क्षति रहित कीमत) वसूल करने में समर्थ नहीं है।

53. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि प्राधिकारी के लिए पाटन जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की सम्भावना पर गौर करना भी अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि शुल्क के निर्धारण हेतु पाटन मार्जिन की तुलना के प्रयोजन हेतु क्षति मार्जिन का पुनः मूल्यांकन करना आवश्यक है।

कीमत हास तथा न्यूनीकरण

54. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत का हास/न्यूनीकरण हो रहा था, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और निवल बिकी कीमत की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ की है जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
उत्पादन की लागत	रु. / किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	122	109
निवल बिक्री कीमत	रु. / किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	125	114
लाभ / हानि	रु. / किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(9)	167	207
आयातों की औसत पहुंच कीमत	रु. / किग्रा.	191.75	145.80	217.57	169.01
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	76	113	88

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान पी एक्स 13 की उत्पादन लागत और निवल बिकी कीमत, दोनों में वृद्धि हुई है तथापि, निवल बिकी कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में

हुई वृद्धि से अधिक हुई थी अतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमत पर कीमत हासकारी/न्यूनकारी प्रभाव नदारद है ।

घरेलू उद्योग से संबंधित अन्य आर्थिक मापदंड

56. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध—॥ में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । इसके अलावा, नियमावली के अनुबंध—॥ (iv) में निम्नानुसार उपबंध है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

वास्तविक उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

57. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा से संबंधित सूचना निम्नानुसार है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
स्थापित क्षमता	मी. ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	136	136	144
उत्पादन	मी. ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	152	174
क्षमता उपयोग	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	112	121
घरेलू बिक्री	मी. ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	138	133	198
कुल मांग	मी. ट.	8,753	11,095	10,053	14,311
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	115	164
मांग के संबंध में घरेलू बिक्री	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	116	121

58. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि पी एक्स -13 के घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिकी में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। पी एक्स -13 की घरेलू बिकी में भारत में उत्पाद की मांग / खपत की तुलना में वृद्धि हुई है।

लाभ, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह

59. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह की जांच निम्नानुसार की गई है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
कर पूर्व लाभ	रु. / लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(12)	222	410
ब्याज तथा कर पूर्व लाभ	रु. / लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(3)	253	400
नियोजित पूँजी पर आय (एन एफ ए आधार पर)	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(3)	231	274
नकद लाभ	रु. / लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	41	185	314

60. प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि क्षति अवधि में पी एक्स 13 के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है और घरेलू उद्योग लाभ की स्थिति में है। प्राधिकारी ने क्षति अवधि में उत्पादन लागत और बिकी कीमत में प्रवृत्तियों पर विचार करते हुए लाभप्रदता की जांच की है। यह पाया गया है कि समूची क्षति अवधि में उत्पादन लागत और बिकी कीमत में वृद्धि हुई है। परंतु बिकी कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से अधिक रही है। परिणामतः जांच अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी सुधार हुआ है।

रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

61. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित स्थिति निम्नानुसार है :-

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
रोजगार (मानव शक्ति)	सं.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	173	136	164
मजदूरी	रु/लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	105	166
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सं.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	114	108
प्रति दिवस उत्पादकता	प्रति दिवस	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	152	174

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन में सुधार होने के साथ घरेलू उद्योग की पी एक्स 13 की उत्पादकता में सुधार हुआ है। वर्ष 2008-09 में रोजगार में गिरावट आने के बाद जांच अवधि में वृद्धि हुई है। मजदूरी में रोजगार जैसी प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है, इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा रोजगार और प्रदत्त मजदूरी वर्तमान मामले में क्षति मूल्यांकन का उचित मापदंड नहीं हो सकता।

मालसूची

63. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मालसूची स्तर की जांच की है जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में है :-

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
औसत स्टॉक	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	181	171	189
बिक्री दिवसों की तुलना में औसत स्टॉक	दिवस	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	100	101

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, आधार वर्ष की तुलना में क्षति अवधि में पी एक्स 13 की मालसूची में पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई है, तथापि, इसी अवधि के दौरान मालसूची अनुपात में मामूली गिरावट आई है।

पाटन मार्जिन की क्षति

65. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि जांच अवधि के दौरान कोरिया गण. से पाटन मार्जिन अत्यधिक और न्यूनतम स्तर से ज्यादा है।

वृद्धि

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, क्षति अवधि में घरेलू बिक्री, उत्पादन और क्षमता उपयोग, नकद लाभ, लाभ और निवेश पर आय में वृद्धि सकारात्मक रही है, तथापि कोरिया गण. से आयात मात्रा में भी भारी वृद्धि हुई है।

क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

67. जहां तक क्षति की संभावना के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद क्षति अवधि में संबद्ध देश से पी एक्स 13 के आयात में भारी वृद्धि हुई है। खास बात ये है कि ये आयात पाटित कीमत पर हुए हैं और इनसे घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री हो रही है। प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटनरोधी शुल्क में संशोधन न करने से पाटन जारी रहने और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना है।

क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

68. प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु कोरिया गण से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। इस प्रकार तुलना के अनुसार क्षति मार्जिन निम्नानुसार बनता है :

विवरण	इकाई	मै. के के पी सी	अन्य - कोरिया गण.
क्षति रहित कीमत (एन आई पी)	रु./किग्रा.	****	****
पाटनरोधी शुल्क रहित पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	****	****
क्षति मार्जिन	रु./किग्रा.	****	****
क्षति मार्जिन (%)	%	25-35	30-40

क्षति के अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

अन्य देशों से मात्रा और कीमत

69. जिन अन्य देशों से पी एक्स 13 के आयात किए गए थे वे यूरोपीय संघ, चीन, जापान, अमरीका और थाइलैंड हैं। आयात आंकड़ों से प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय संघ और चीन से पी एक्स 13 के आयातों पर पहले से शुल्क लागू है और जापान, अमरीका एवं थाइलैंड से हुए आयात या तो न्यूनतम हैं या उनकी निर्यात कीमत अधिक है।

मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग में कोई कमी नहीं आई है अतः मांग में संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है। इन वर्षों में भारत में उत्पाद की मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। खपत की पद्धति में परिवर्तन का भी कोई संकेत नहीं है।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं है और वह देश में मुक्त रूप से आयात योग्य है। घरेलू उत्पादक एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं। और साथ ही साथ संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत से भी प्रतिस्पर्धा करते हैं। घरेलू उद्योग की कीमत संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत से अत्यधिक प्रभावित होती है। इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह संकेत देने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों में कोई परिवर्तन हुआ है।

प्रौद्योगिकी विकास

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पी एक्स 13 के उत्पादन हेतु उत्पादन प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी छिटपुट तकनीकी या प्रौद्योगिकी विकास के साथ पूर्णतः समान है। याचिकाकर्ता और संबद्ध देश के उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी में कोई ज्ञात अंतर नहीं है।

निर्यात निष्पादन

73. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति, पी एक्स 13 के निर्यात निष्पादन में संभावित विकृति के कारण नहीं हुई है ।

निष्कर्ष

74. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपर्युक्त जांच परिणाम में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा पाटन एवं क्षति जारी रहने / उसकी पुनरावृत्ति होने की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि भारतीय बाजार में कोरिया गण से संबद्ध पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा निर्धारित न्यूनतम सीमा से ज्यादा है । यह देखा गया है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर जारी है । यद्यपि, मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है तथापि यह नोट किया जाता है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बिना कोरिया गण से कीमत कटौती और कम कीमत पर बिकी काफी अधिक है । अतः वर्तमान पाटनरोधी शुल्क संशोधित न किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।

सिफारिशें

75. उपर्युक्तानुसार, निष्कर्ष निकालने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि कोरिया गण से संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में निम्नलिखित शुल्क तालिका में किए गए उल्लेखानुसार मौजूदा पाटनरोधी उपाय में संशोधन करना अपेक्षित है ।

76. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटा मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगान की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से कोरिया गण के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के अनुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की जाती है ।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष	वस्तु का विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	292519 292520 293420 381210 381212 381220 381230	रबड़ रसायन पी एक्स 13 (6 प्री पी डी) जिसका रसायनिक वर्णन एन(1 3-डाइमिथाइल बुटाइल)-एन फिनाइल-पी १ या ६ सी, पिलफॉलैक्स 13, सिरानटॉक्स 4020, एटीओसीडीठे 4020., कुम्होनाक्स 13, वल्कानाक्स 4020 आदि है"	कोरिया गण	कोरिया गण	कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स के. लि.	कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स के. लि.		प्रति किंवा.	रुपए
2	292519 292520 293420 381210 381212 381220 381230	-वही-	कोरिया गण	कोरिया गण	उपरोक्त 1 से अतिरिक्त उत्पादक तथा निर्यातक के बीच अन्य कोई संयोजन			प्रति किंवा.	रुपए
3	292519 292520 293420 381210 381212 381220 381230	-वही-	कोरिया गण	कोई देश	उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कोई	उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कोई		प्रति किंवा.	रुपए
4	292519 292520 293420 381210 381212 381220 381230	-वही-	चीन जन.गण तथा ई.यू.से अतिरिक्त अन्य कोई देश	कोरिया गण	उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कोई	उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कोई		प्रति किंवा.	रुपए

77. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और उसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

78. केन्द्र सरकार के इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th August, 2011

Final Findings

(Mid-Term Review)

Subject: Final Findings in Mid-Term Review investigation in respect of anti-dumping duty imposed on imports of Rubber Chemical PX-13 (6 PPD) originating in or exported from Korea RP.

F. No.15/21/2010-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time.

A. BACKGROUND OF THE CASE

No. 15/21/2010-DGAD – Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) initiated a Mid Term Review (MTR) antidumping investigation on 9th August, 2010 into alleged dumping of Rubber Chemical PX-13 (6PPD) (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from Korea RP. The original investigations was initiated on 6th July, 2007 against dumped imports of Certain Rubber Chemicals MBT, CBS, TDQ, PVI, and TMT originating in and exported from China and Rubber Chemical PX-13 (6PPD) originating in and exported from China and

- Korea RP. The provisional antidumping duty was imposed on imports of PX-13 (6PPD) from China PR and Korea RP vide Customs Notification No. 61/2008-Customs dated 5th May, 2008 on the basis of the preliminary findings of the Authority dated 28th February, 2008. The Final Finding was notified vide Notification dated 1st October, 2008 and the Department of Revenue imposed definitive anti dumping duties on the PX-13 (6PPD) from China PR and Korea RP vide Notification No. 133/2008-Customs dated 12th December, 2008.
2. And whereas the Rule 23 of Anti-dumping Rules requires the Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of anti-dumping duty and if the Authority is satisfied on the basis of positive information received by it that there is no justification for continued imposition of such duty, the Authority may recommend to the Central Government for its withdrawal. Notwithstanding the above provision, the Authority is required to review, on the basis of positive information submitted by any interested party substantiating the need for a review, provided that a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty, as to whether continued imposition of the duty is necessary to offset dumping; whether the injury is likely to continue or recur if the duty was removed or varied; or both. In terms of the above provision, Designated Authority received an application filed by M/s National Organic Chemical Industries Limited (hereinafter referred to as NOCIL or the domestic industry) substantiating the need for Mid Term Review of the anti dumping duty imposed on Rubber Chemical PX13 (6PPD) originating in or exported from Korea RP, and requesting for enhancement /revision of the anti dumping duty imposed on the subject goods. Having decided to review the Final Findings notified vide Notification No 14/5/2007-DGAD dated 1st Oct, 2008, the Authority initiated the MTR investigations in terms of the Rule 23.

B. PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed with regard to the present investigation:
- i) The Authority received a duly substantiated application from M/s National Organic Chemical Industries Limited, Mumbai (NOCIL) for review of and enhancement in the quantum of anti dumping duty in force, *inter alia*, based on the grounds that the existing duty is not sufficient to address the injury to the domestic industry. The petitioner submitted *prima facie* evidence in this regard, requesting for review and enhancement of the anti dumping duty in force.

- ii) Having satisfied itself that the petitioner has produced sufficient positive information substantiating the need for a review, the Authority initiated the Mid Term Review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of subject goods originating in or exported from Korea RP vide Notification No. 15/21/2010-DGAD dated 9th August, 2010 under Rule 23 of the AD Rules. The scope of the present review covers all aspects of the previous Notification.
- iii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers in that country to respond to the Questionnaire within the prescribed time.
- iv) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the Embassy of subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties wherever requested.
- v) The Authority forwarded a copy of the public notice of initiation of investigation to all known producers of the subject goods in India besides the petitioner.
- vi) The Authority forwarded a copy of the Initiation public notice to the known exporters (whose names and addresses were made available to the Authority) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4). The notice was forwarded to following exporter, namely, Kumho Petrochemical Co. Ltd., Korea RP (KKPC).
- vii) Kumho Petrochemical Co. Ltd, Korea RP has filed response to the Questionnaire in the form and manner prescribed.
- viii) The Authority forwarded a copy of the Initiation public notice to all the following known importers (whose names and addresses were made available to the Authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(4).

S.N.	Name of the Importer
1.	J.K. Industries Ltd. Kolkata
2.	CEAT Limited, Mumbai
3.	Apollo Tyres Ltd., Kochi
4.	Birla Tyre, Kolkata
5.	MRF Limited, Chennai
6.	Metro Tyres Ltd., Ludhiana

7.	Poddar Tyres Ltd., Ludhiana
8	Raison Ind. Ltd., New Delhi
9.	Rubber Products Ltd., Thane

- ix) In response to the Notification, response was received from Automotive Tyres Manufacturers' Association (ATMA) which was considered.
- x) Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor have supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xi) Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 2009 to 31st March 2010 (POI). However, injury examination was conducted for the period from 2006-07, 2007-08, 2008-09 and 2009-10 (i.e., POI).
- xii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the period of investigation and three years before the POI, which was received by the Authority.
- xiii) Information was sought from the applicant and other domestic producers to determine non-injurious price based on the cost of production of the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to ascertain as to whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry. On the spot verification of the data provided by the applicant was carried out to the extent considered necessary.
- xiv) In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in public hearings held on 19.01.2011 and 16.03.2011. The parties which presented their views in the public hearings were requested to file written submissions of the views expressed orally. The arguments made in the written submissions/rejoinders received from the interested parties have been considered, wherever found relevant, in the Final Findings.
- xv) Arguments raised and information/evidence provided by the interested parties during the course of the investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority. The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the adequacy and accuracy of the information supplied. Additional/supplementary details regarding injury were sought from the domestic industry, which were also received.

- xvi) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).
- xvii) *** herein represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits.
- xviii) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.
- xix) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:

C.1 SUBMISSIONS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

4. Following issues have been raised by the domestic industry with regard to the product under consideration and the like article:
- i. The product under consideration involved in the original investigation and also in the present Review investigation is Rubber Chemical PX-13 (6PPD).
 - ii. There is no change with regard to the product under consideration between the previous investigation and present investigation. The description and scope of the product under consideration can be kept as the same as that of the one in the previous investigation.
 - iii. The user industry for the product under consideration can be divided in two broad segments, namely, tyre and non-tyre segments. In both these segments, Rubber Chemical PX-13 (6PPD) is used for the processing of various types of natural and synthetic rubbers. This is not the principal input/raw material in this industry and is only the processing chemical.
 - iv. The product does not have a dedicated classification at the eight-digit level. The product is imported under Chapters 29 and 38 of the Customs Tariff Act,

1975. In fact, the product is being imported under certain classifications not specifically dedicated for the product concerned. However, these customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

- v. There is no change with regard to the product under consideration or the like article between the previous investigation and the present MTR investigation. The description and scope of the product under consideration and the like article can be kept as the same as that of the previous investigation.

C.2 SUBMISSIONS OF THE IMPORTERS, CONSUMERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

5. Following issues have been raised by the interested parties with regard to the product under consideration and the like article:

- i. Scope of the product under consideration has not been properly identified and no proper classification of the product has been done by the Authority as can be said from the fact that various headings under Chapter including heading 98 which pertains to project imports, lab chemicals etc. and heading 38.10 which refers to brazing and soldering powders and pastes etc. have been included within the scope of the PUC, whereas the correct classification is 381230.
- ii. Designated Authority cannot absolve itself from its duty of determining the correct custom classification for which they have supported their reasoning with the CESTAT ruling in the case of Thai Acrylic fibre Co Ltd. v/s DA.

C.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

6. The Authority concludes that since present review investigation is a mid-term review investigation, the product under consideration remains the same as has been defined in the previous investigations. The Authority in its original investigation vide notification No.14/5/2007- DGAD dated 1st October, 2008 defined the product under consideration as under:

"f) Px-13 (6PPD) having chemical description N-(1,3-dimethyl butyl)-N' Phenyl-P-1 with other trade/brand names as 6C, Pilflex 13, Sirantox 4020 Antioxidant 4020, Kumhonax 13 Vulcanox 4020 etc."

7. Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules specifies that like article means an article which is identical and alike in all respects to the product under investigation or, in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the article under examination.
8. The petitioner claimed that the goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from the subject country. The Authority notes that PX-13 produced by the domestic industry has characteristics which are similar to those of PX-13 imported from the subject country. In view of the above, the Authority notes that PX-13 produced by the domestic industry and that being imported from the subject country are like articles within the meaning of the Rules.
9. As regards the classification of the product under consideration, the Authority concludes that there is no dedicated ITC (HS) Classification for the subject goods and the product under consideration is classified under various sub-headings of customs classification heads 38.12.10; 38.12.20 and 38.12.30 as well as under 29.34.20 and 29.25.20 (at six digit levels) of the Customs Tariff Act and ITC HS classification. However, the Authority concludes that the products are known by their respective trade names and the chemical descriptions as indicated above. Therefore, the Customs as well as the ITC HS classifications shown above are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

D. DOMESTIC INDUSTRY

D.1 SUBMISSIONS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

10. The domestic industry, inter alia, submitted as under:

- i. The present petition for Mid Term Review is filed by M/s NOCIL, Mumbai. There are two other producers of Rubber Chemical in India, viz., M/s. Lanxess India Pvt. Ltd., Thane and PMC Rubber Chemicals India Pvt. Ltd., Hooghly. It is understood that Merchem Ltd., Ernakulam has a plan to set up facilities for production of the product under consideration.

- ii. That the intensity of dumping had been such that while some of the Indian producers have substantially exited from manufacturing of the subject goods and in fact, turned traders, resorting to imports of rubber chemicals, others have been importing intermediates, even at penultimate stage, where further processing involved is insignificant in terms of total production activities.
- iii. Whether the production of such other Indian producers who are importing the product or are related to the foreign producers is included or excluded in the total production in India, production of the petitioner constitutes more than 50% of Indian production for the subject goods.
- iv. NOCIL is a major producer of the subject rubber chemicals in the country.

D.2 SUBMISSIONS OF THE EXPORTERS, IMPORTERS, CONSUMERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

- iii. None of the interest parties has made any submission in respect of the “domestic industry”.

D.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

12. Rule 2(b) of the AD Rules provides as follows:-

“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘Domestic Industry’ may be construed as referring to the rest of the producers only”.

13. In the present review investigation, M/s NOCIL Ltd. has responded to the Initiation Notification. The Authority also sought details of production of the subject goods from the concerned Excise Authorities. The response to the same, information was received from the O/o Dy. Commissioner of Central Excise, Cochin. As per the information on record, the production of M/s NOCIL as a percentage of total Indian production accounts for 84% in the case of PX13. Thus, the Authority concludes that M/s NOCIL Ltd. is a major producer of the subject goods in India as in relation to the total Indian production of the Rubber Chemical PX-13 under investigation in the instant matter.

E. OTHER SUBMISSIONS AND ISSUES RAISED

E.1 SUBMISSIONS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

14. The domestic industry, inter alia, submitted as follows:

- i. There is no provision, express or implied, in Rule 23(1) that prevents the Designated Authority in recommending a duty higher or lower than the one imposed in the original Final Findings based on the "information" received in the review where there was no justification for withdrawal. The expression "*continued imposition*" would be at the rates determined in the review. Moreover, as per Rule 23(3), the provisions of Rules 6 to 11 and 16 to 20 of the Anti Dumping Rules would be made applicable *mutatis mutandis* in review proceedings. Thus, determination of injury (as contemplated under Rule 11), dumping, material injury and causal link between the dumping and material injury have to be evaluated, *mutatis mutandis*, in all types of investigations whether initial, mid-term or sunset review. Rule 17(1)(b) clearly suggests that the Designated Authority can recommend the amount of duty which, if levied, would remove the injury, where applicable, to the domestic industry.
- ii. The Rules provide for undertaking a review "where warranted". "*Where warranted*" has to be interpreted "*as and when necessary and in respect of such sources as are found necessary*". Thus, the law requires the Designated Authority to initiate review investigation against other countries only if it is necessary.

E.2 OTHER SUBMISSIONS OF THE INTERESTED PARTIES

15. The interested parties, inter alia, submitted as follows:

1. Enhancement of anti-dumping duty in a midterm review is inconsistent with the Antidumping Rules, 1995. The DGAD may reduce the level of anti-dumping in force if it is felt that there is no justification for the continued imposition of such duty. "Such" duty in this case, shall be the rate of duty determined in the previous investigation. If there is no warrant to continue the duty at "such" duty rates, the duty rates may be revised downwards to

reflect the current state of dumping and injury. However, the cumulated reading of Rule 23 and Section 9A(5) of the Customs Tariff Act, 1975 makes it more than adequately clear that there is no mandate in the Act or the Rules, to enhance the rate of anti-dumping duty.

2. Original investigation on PX 13 being against China PR and South Korea, the DGAD could not have initiated the investigation against South Korea alone. The DGAD in the original investigation examined the cumulative effect of subject country imports, i.e., South Korea and China PR on the state of the Domestic Industry in India. Since, it has been determined that exports from South Korea and China PR taken together have caused injury to the Domestic Industry, the DGAD needs to examine whether there is a possibility of continued dumping and injury from both China PR and South Korea. Therefore, the DGAD cannot restrict the scope of the review to South Korea alone. There is no legal warrant to exclude China PR from the scope of the subject midterm review investigation.

E.3 POST DISCLOSURE SUBMISSIONS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

16. Domestic industry reiterates all the fact, contentions, averment and statements presented in the previous submissions filed before the Designated Authority and requests for enhancement of applicable anti dumping duty. Domestic industry has following submissions:

- A. Dumping margin: The dumping margin has significantly increased as compared with the previous investigations. As submitted in the petition, the exporter absorbed the anti dumping duty earlier imposed.
- B. Non-market economy status of Sinorgchem: The non-market economy status of Sinorgchem has not undergone any change since the original investigation. Further, neither KKPC nor Sinorgchem have provided any material whatsoever establishing a significant change in the legal status of Sinorgchem. The company has long term relationship with different research institutions some of which are state owned and which are also its development advisors. Sinorgchem participated in safeguard investigations and did not refute special relationship with KKPC. The Director General, Safeguards has considered that Sinorgchem and KKPC have special relationship.

- C. Dumping margin methodology: The normal value in the present case should be determined considering cost of production, after due adjustments and after adding SGA, Interest and Profits.
- D. Non-injurious price may be reviewed: The apportionment methodology followed by the petitioner in charging expenditure to the product under consideration cannot be ignored while normating its cost of production. The fixed expenses may be fixed for a particular period and for the company. However, fixed expenses are not fixed for the product. It varies with level of production. Such being the case, it would not be appropriate to normate the fixed expenses in the present case. Further, working capital determined is grossly low. It appears that the Designated Authority is now not considering captive inputs at market price. Such being the case, the capital employed being considered should include (a) fixed assets and (b) working capital required for production of the captive input.
- E. Injury to the domestic industry: The imports from the subject country have substantially increased in absolute terms and in relation to total imports, production and consumption in India; imports are significantly undercutting the domestic prices despite current anti dumping duties and despite applicable anti-dumping duty on the imports from the subject country, the domestic industry has suffered continued material injury.
- F. Safeguards findings: Because of low quantum of anti dumping duties, so significant has been increase in imports that after elaborate investigations, the Director General (Safeguards) concluded as follows –

290. *In view of the findings above, the final determination is that the increased imports of N 1,3-dimethyl butyl-N'Phenylenediamine (PX-13 or 6PPD) into India have caused serious injury and also threatened to cause serious injury to the domestic producers of N 1,3-dimethyl butyl-N'Phenylenediamine (PX-13 or 6PPD). In arriving at the amount of safeguard duty which would be adequate to prevent serious injury and threat of serious injury to the domestic industry and to facilitate positive adjustment, weighted average cost of sales at reasonable return on employed capital and average landed cost of import (taking basic customs duty, cess) have been considered. The Antidumping duty on the PUI has also been considered while arriving at the amount of Safeguard duty. Further, the calculated safeguard duty has been moderated downward to allow imports to maintain competition in domestic market in the interest of end users and consumers. The public interest has also been considered in detail.*

E.4 POST DISCLOSURE SUBMISSIONS OF THE INTERESTED PARTIES

17. A. Calculation of Normal value for KPC is against the provisions of law.

- (i) The Authority has concluded that MET of Sinorgchem has not changed since the issuance of the Final Finding in the original investigation and hence, the costs incurred by KPC would not reasonably reflect the cost associated with production of 6PPD. We strongly object to the proposed action of the Authority.
- (ii) By relying on the earlier decision on China PR without including China as part of the subject countries and without providing the Chinese exporters an opportunity to provide any evidence, Authority has clearly and unequivocally abdicated its responsibility to conduct a fair, unbiased and objective review investigation.
- (iii) The price at which KPC procures the raw material (4ADPA) from Sinorgchem is slightly higher or on par with that of Rs.*** per Kg claimed by the domestic industry for constructing normal value. In such a situation, there was no need to ignore the actual cost of KPC.
- (iv) Substituting the cost of production of KPC with any notional value would be in gross violation of Section 9A(6A) of the Customs Tariff Act, 1975. Even the WTO laws do not authorize the Authority to discard the costs in a market economy country merely because the raw material has been sourced from a non-market economy country.
- (v) The Authority has proposed to put into practice the concept of ‘input dumping’ that has not been incorporated into the WTO: ADA. The existing Indian law does not recognize ‘input dumping’ and hence the question of determining and providing a relief even if a situation is perceived to be ‘input dumping’ does not arise.
- (vi) By discarding the price at which KPC has procured the inputs from China, DGAD is giving a treatment to the ‘export price’ which is not permitted under the existing antidumping rules.
- (vii) NME characteristics of the input get exhausted the moment they cross the border of the NME country upon sale to an unrelated buyer in a market economy country. After importing the input from China PR, KPC had achieved a value addition of 40%

in Korea and when the goods are sold in the domestic market after such a significant value addition, one cannot say by any stretch of imagination that the finished goods sold in the domestic market in Korea RP are affected by the NME conditions in which the raw materials were produced in China PR.

(viii) There is no antidumping duty on 4ADPA exported from China into India. Authority has also not determined the normal value of 4ADPA consumed in China PR corresponding to those exported to Korea RP. For this reason also, actual purchase price of KPC shall not be rejected.

(ix) The AD Rules do not authorise the Authority to discard the export price from a non-market economy country to a third country which is a market economy. In this regard, reliance is placed on paragraph 2 of Ad Article VI to GATT 1947.

(x) If the actual consumption norms of 4ADPA are considered, the normal value would be much lower. A consumption norm of 0.835 has been used in the review petition in one place. According to DGFT norms, 4 ADPA consumption is only 0.705 and not 0.835. KPC's consumption is only **** as per verified Appendix 6. It is not known what was the consumption norms adopted by the Authority in calculating the normal value.

(xi) In the absence of fresh evidence of international price of 4 ADPA during the POI in this review, the Authority should presume that there is no change as has been done for the status of Sinorgchem by the authority and adopt the prices that were used in the original investigation.

B. A reading of Rule 23 of the AD Rules and Section 9A(5) of the Customs Tariff Act, 1975 makes it clear that there is no mandate in the Act or the Rules, to enhance the rate of AD Duty in an MTR. The expression 'varied' would refer to a downward revision of the duty and not an upward revision of the duty.

C. China PR should not have been excluded from scope of subject MTR. Even though the prices of imports from China PR are substantially higher than the imports from Korea RP, the former is still undercutting and underselling the price of Domestic Industry. Hence, imports from China PR are also a significant cause for the injury alleged to be suffered by the Domestic Industry.

D. Existence of injury has not been established as different injury parameters analysed in the Disclosure Statement have clearly shown a trend of steady growth and there is no sign of injury.

E. Considering that the Domestic Industry would not be in a position to serve any demand over and above its capacity of 11,500 MT as against the total domestic demand of 14,500 MT, we request the Authority not to impose AD Duty on the import of first 3,000 MT of imports for the first year and first 3,600 MT during the second year.

F. The Director General (Safeguard) in its investigation against import of the subject goods for imposition of Safeguard Duty has vide its finding dated 6th June, 2011 has recommend a peak rate of 30 percent safeguard duty on import of the subject goods to India. As the entire injury alleged to have been suffered by the Domestic Industry would be cured by the imposition of Safeguard Duty. Hence, we request the Authority not to impose AD Duty at this point of time.

G. The Authority shall accept the cost of production of the KPC as such and consider the domestic selling price as the ‘normal value’. Further, as the Domestic Industry is not suffering any injury, the proposal made in the Disclosure Statement should not be implemented.

E.5. EXAMINATION BY THE AUTHORITY

18. The Authority concludes that the instant MTR investigation was, inter alia, initiated in accordance with Rule 23 of the AD Rules. Rule 23 of the AD Rules enables the Authority not only to examine the need for continuation of the anti-dumping duty but also to determine the quantum thereof that needs to be recommended based on information/data available on record.

19. The Authority in MTR investigations examines the need for continuation of anti-dumping duty on the basis of various economic parameters as laid down under the Rules.

20. As regards the Review taken against only Korea RP, the Authority concludes that the Authority is required to cumulatively assess the injury to the domestic industry from more than one source only if conditions prescribed under the law for cumulative assessment of injury are satisfied. The Authority concludes that MTR in respect of only Korea RP has been initiated based upon the positive information that the landed price of imports from China PR even after adding the AD duty in force was substantially higher than the landed price of imports from Korea RP after adding the AD duty in force. The Authority concludes that the significant price

difference between Chinese import and Korean imports does not warrant a review against China.

21. As per Antidumping Rules, the Authority is expected to examine as to whether the subject goods were imported from the subject country at dumped prices causing or likely to cause material injury to the domestic industry and if so recommend antidumping duty to remove such injury. In view of the above, the suggestion of KPC to exempt certain portion of import of subject goods imported from the subject country from antidumping duty on the ground that the domestic industry is not in a position to meet the entire demand is not acceptable.

22. With regard to the submission of KPC that the domestic industry has not suffered any injury on many of the economic parameters, the Authority notes that there was significant price undercutting and underselling during the POI.

23. The other issues raised by the domestic industry and KPC to the extent relevant have been dealt with in the respective headings in these Findings.

F. DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

F.1 SUBMISSIONS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

24. The domestic industry, inter alia, submitted as follows:

- i. The price at which imported product has been sold in the domestic market in Korea RP alone most appropriately represents the normal value.
- ii. Cost of production determined should reasonably reflect the costs associated with production and sale of the product under consideration.
- iii. Dumping margin in respect of exports made by KKPC is quite significant.
- iv. In the previous investigations, the Authority had accepted the export price from Europe to India for 4ADPA. In the current period, because of shifting of the plant by Lanxess and resultantly no production, there are no imports of 4ADPA from market economy third country. The petitioner, therefore, requests the Authority to consider the export price from China to India for 4ADPA and adjust the same appropriately for the price difference between non-market economy and market economy country.
- v. Authority should, as a first principle, consider market price for such captive inputs. If market price is not available for any reason, the petitioner submits that the exporter must provide full workings of the cost of production and the same must be considered after adding reasonable profit on such captive input.

F.2 SUBMISSIONS OF THE INTERESTED PARTIES

25. The interested parties, inter alia, contended as follows:

- i. In the review petition, the domestic industry has projected normal value through four different routes, i.e., constructed normal value based on the cost of procurement of 4 ADPA by the domestic industry, inflated consumption norms and their own costs; normal value based on imports of 6 PPD into Korea; normal value based on export prices of 6 PPD by domestic industry to European Union; and normal value based on alleged changes in the cost of raw materials between the original investigation and the current POR.
- ii. The methodology suggested by the petitioner that the normal value be constructed on the basis of the cost of procurement of 4 ADPA by the domestic industry tantamounts to treating South Korea as a non-market economy country. For a market economy country like South Korea, normal value shall be constructed based on the costs prevailing in the country of origin, i.e., costs prevailing in South Korea and not in India.
- iii. With regard to the issue of normal value, it may be also be noted that in the original investigation, the DGAD rejected the actual cost of 4 ADPA incurred by KKPC on the ground that it had been procured from a non-market economy country, i.e., China. The said decision was erroneous and not legally sustainable. There seems no warrant to discard the export price of Sinorgchem to the petitioner. Further, the cost of 4 ADPA actually incurred by KKPC during POI is higher than the international prices used by the domestic industry in the petition. Thus, the cost incurred by the petitioner during the period of review is higher and reflects the market values. For this reason also, actual costs of the petitioner shall be accepted in determining the normal value.
- iv. Without any authorization, the DGAD does not have the power to investigate the input dumping matters, as given under the AD Rules, Customs Tariff Act or WTO AD Agreement. It is also accepted by the WTO members that such practice is GATT inconsistent.
- v. No factual basis to alter the rate of duty by DGAD in the absence of any increase in margin of dumping.

F.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

26. Under section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means:

- i. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- ii. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6).

F.3. (i) Normal value

27. The Authority in the previous investigation while determining normal value concluded as follows:

59. *Therefore, the Authority concludes that in a situation where major input i.e. 4 ADPA used in production of 6 PPD was solely sourced from a non-market Economy Company, the use of actual purchase price of Kumho Petrochemicals for 4 ADPA, would not reasonably reflect the cost associated with production of 6 PPD.*

60. *In view of above, the authority has adjusted the cost of production and sale by the difference between the international price of 4 ADPA from a market economy country and actual purchase price of Kumho Petrochemicals. Accordingly the revised cost of sales for PX 13(6PPD) works out to US \$ *** per kg. At this adjusted cost of sale the domestic sales made by Kumho Petrochemicals during POI fail to pass the ordinary course of trade test. Accordingly the domestic sales do not permit a proper comparison. The*

Authority, therefore, has constructed the normal value for Kumho Petrochemicals in terms of Section 9A (1) (c) (ii).

61. Taking note of these factors, the Authority has calculated the normal value in the instant case by taking into account the cost of production of the subject goods in Korea RP based upon the 4ADPA's international price from a market economy country, and allowing other costs as claimed and verified. On the cost of sales so arrived at, the average profit margin has been considered. Normal value for PX-13 (6PPD) has been determined accordingly and worked out as US \$ *** per K.G by the Authority.

28. The Authority concludes that the situation in the present investigation has not undergone any change from the original investigation for the reasons that Kumho Petrochemicals continues to source the major input 4ADPA from the same non-market economy company and no facts or evidence have been brought before the Authority since the issuance of Final Findings in the original investigation that the non-market economy status of the said company has undergone any change. The Authority, therefore, concludes that the use of actual purchase price of 4ADPA by KKPC from the said non-market economy company would not reasonably reflect the cost associated with production of PX13 (6 PPD). Further, there are no imports of 4ADPA to India from a market economy third country during the POI in the present MTR.

29. Since there is no evidence available showing international price of 4-ADPA during the POI in this Review, the Authority has constructed the cost of production of 4-ADPA. The Authority notes that the domestic industry has produced only 4-NDPA, which is a stage prior to 4-ADPA and the Authority adopted the cost of the same for determining the cost of 4ADPA on a conservative basis. While adopting the cost of production of 4ADPA of the domestic industry, cost of major inputs as per the best usage of the domestic industry at international prices, conversion costs and SGA expenses of the domestic industry, and reasonable profit have been considered.

30. The Authority has further adjusted the cost of production and sale of PX-13 (6PPD) by the difference between the constructed international price of 4ADPA (computed on the basis of data of the domestic industry) and its actual purchase price of KKPC. The revised cost of sales of PX-13 (6PPD) so constructed works out to US \$ *** per kg. At this adjusted cost of sales, the domestic sales of PX-13 (6PPD) made by KKPC during the POI in this MTR fail to pass the OCT test. In view of the above, the Authority has constructed the normal value of PX-13 (6PPD)

for Kumho Petrochemicals in terms of Section 9A (1) (c) (ii) of the Act as detailed below.

31. The Authority has calculated the normal value of the subject goods in the instant case by taking into account the cost of production of the subject goods in Korea RP based on the usage of 4ADPA as per KPC and the price computed on the basis explained in the above paragraph. The other costs (cost of other raw materials, conversion cost, SGA expenses, etc) of KKPC as claimed and verified have also been taken into account. Further, reasonable profit has also been allowed. The Normal value for PX-13 (6PPD) thus computed works out to US \$ *** per K.G.

F.3(ii) Normal value for Non-Cooperating Exporters from Korea RP

32. The Authority has adopted the same normal value of US\$ *** per Kg worked out for KKPC for the non-cooperating exporters from Korea as well.

F.3(iii). Export Price

33. Spot verification done by the Authority revealed that the adjustments claimed on account of Inland freight, Ocean freight (inclusive of terminal handling charges, Bill of Lading fee, handling charge, wharf age), Ocean insurance, Customs broker fee, Bank charges, Commission and a negative deduction towards duty drawback received on export sales were in order and corroborated by related records. Since the duty drawback received was reduced from the cost of production/sales of 6PPD, the Authority has not considered the duty drawback as negative adjustment for determining the ex-factory export price. Accordingly, the Authority has determined the responding producer having reported ex-factory export price as US \$ *** per Kg. in the exporter response was found to be in order by the Authority.

F.3(iv). Export Price for Non-Cooperating Exporters from Korea RP

34. In respect of non-cooperating exporters from Korea RP, the lowest import price based upon the IBIS import data has been taken into account. Adjustments like Ocean freight etc. have been allowed at par with the ones allowed in respect of company operating exporters from Korea as above, for arriving at export price at ex-factory level. By adopting this method, the export price at ex-factory level in

respect of non-cooperating exporters from Korea for PX13 (6PPD) worked out by the Authority is US \$ *** per Kg.

F.3(v). Dumping Margin

35. On the basis of the normal values and net export prices so determined at ex-factory level, the dumping margin during the POI for all exporters/producers from Korea RP has been determined as follows:

Dumping Margin Calculation

Sr. No.	Exporter/Producer	Dumping Margin (US\$/Kg.)	Dumping Margin (%)
1	M/s KKPC	***	15-25
2	All other exporters/ producers from Korea RP except as mentioned above	***	20-30

F.3(vi). Lasting nature of the changed circumstances and likelihood of dumping

36. The domestic industry has quoted Article 11.2 of the WTO Agreement on Antidumping and Rule 23 of the Antidumping Rules saying that the midterm review has been rightly initiated as they had submitted positive information substantiating the need for review though they maintain that such a requirement is not contemplated by rule 23.

37. In accordance with the practice of the Authority, it was examined as to whether changed circumstances could be said to be of lasting nature or as to whether there would be chances of increased dumping if the anti dumping duty is not enhanced. It was found after examination that the domestic industry is suffering injury due to dumped imports from the subject country. Further, the exporters had significant exports of subject goods to countries other than India during the POI.

G.INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

G.1 SUBMISSIONS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

38. The domestic industry has submitted as under:-

- i. The imports from the subject country have substantially increased in absolute terms and in relation to total imports, production and consumption in India.
- ii. Imports are significantly undercutting the domestic prices despite current anti dumping duties.
- iii. Landed price of imports is substantially below the non injurious price of the domestic industry. The imports are, thus, resulting in significant price underselling in the market.
- iv. The performance of the domestic industry in terms of the production, capacity utilization, sales values & volume, profits, return on investments, cash flow, inventories and market share continued to remain sub-optimal despite existence of significant demand in the country.
- v. Domestic industry was faced with loss of production.
- vi. Inventories with the domestic industry are at a very high level, despite liquidation of inventories through exports.
- vii. Despite applicable anti-dumping duty on the imports from the subject country, the domestic industry has, thus, suffered continued material injury.
- viii. Injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.
- ix. The existing measure is not sufficient to counteract the dumping which is causing injury.
- x. Despite existing anti-dumping duties, the product under consideration continues to be exported to India below its normal value resulting in dumping.

39. Various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.

G.2 SUBMISSIONS OF THE EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

40. The interested parties submitted as follows:

- i. As per Para (2) of Annexure II, for analyzing the scope of injury, DGAD should not only examine volume and effect of dumped imports on prices in domestic market for like article but also its impact on domestic producers.
- ii. Price difference between China PR and Korea RP is insignificant.
- iii. Injury to the domestic industry is on account of losses suffered in the exports.
- iv. The legal requirement for a mid-term review is the domestic industry performance should have "worsened" or it must remain the same
- v. De-cumulation of imports from China PR was not warranted for the purpose of the present review investigation.
- vi. Imposition of higher ADD against what was determined in the original investigation is against the Act or Rules of Anti-Dumping.
- vii. The DGAD has not examined the accuracy and authenticity of the evidence furnished in the present application.
- viii. DGAD is required to include exports from China PR also as there could be no continued injury alone on the basis of exports from South Korea.
- ix. No prejudicial effect on volume or price can be claimed on import of goods from South Korea as there is a significant improvement in various parameters.
- x. Proper isolation is required in order to check the injurious effect of imports from non-subject countries to ensure the same is not attributing to South Korean imports.
- xi. The domestic industry, in order to prove its stand, has to show that the situation of the domestic industry got worsened since 2008 when the duty got first imposed.
- xii. The performance of the domestic industry as can be seen from the 2008-09 and 2009-10 data makes it critical to ascertain injury.
- xiii. Price undercutting cannot be a reason of bad performance of domestic industry since a significant growth can be seen in all injury parameters.
- xiv. NOCIL does not have the capacity to cater the domestic demands despite ADD got levied on PX-13.
- xv. The domestic industry cannot change the base year from 2006 to 2001 on its own for the public hearing.
- xvi. The data which has been provided by the domestic industry in MTR and SSR for PX-13 are similar, as any injury suffered due to imports from EU

and Chinese Taipei cannot be attributed to the injury suffered from imports from Korea RP and vice-versa.

- xvii. The injury submissions by the domestic industry should not be accepted as there is no distinctions between the injuries suffered from imports from EU and Chinese Taipei and from Korea RP, hence should be dismissed by DGAD.
- xviii. There is no causal link due to the following reasons:
 - a. Imports from non subject countries.
 - b. Exports from the domestic industry.

xix. Domestic industry cannot meet the demand of the user industry.

G.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

41. The Authority has considered import data as per IBIS data. In the subsequent paragraphs, the Authority has analyzed injury parameters as per Rules.

- i. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- ii. Cost of production – The Authority notes that the cost of production adopted for the purpose of present determination is on the basis of consistent practice of the Authority. With regard to the post disclosure comments of domestic industry regarding determination of non-injurious price, the Authority notes that the non-injurious price has been determined on the basis of principles mentioned in Annexure to the Antidumping Rules and practices followed in this regard.
- iii. In the midterm review, the authority has to review as to whether the quantum of duty already in force is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. Thus, the examination is also on likelihood and recurrence other than the present dumping and injury to the domestic industry. The Authority has examined the available information accordingly.

42. As regards the contention of the interested party that the domestic industry cannot meet the demand of the user industry, the Authority concludes that AD Rules do

not require that the domestic industry must meet the demand of the user industry for getting redressal to its injury on account of dumping.

Volume Effect of Dumped Imports

Import volumes and market share

43. Annexure-II (ii) of the AD Rules provides that “while examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India”. Thus, with regard to the volume of the dumped imports, it has been examined as to whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.
44. The table below summarises the factual position with regard to import volumes and market share –

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Import Volumes					
Korea RP	MT	3336	3158	2980	6030
Trend	Index	100	95	89	181
China PR	MT	1570	3287	1795	1831
Trend	Index	100	209	114	117
Other Countries	MT	746	415	831	1967
Trend	Index	100	56	111	264
Total Imports	MT	5652	6860	5606	9828
Trend	Index	100	121	99	174
Share of Imports					
Korea RP	%	59.03	46.04	53.16	61.35
Other Countries including China PR	%	40.97	53.96	46.84	38.65

45. The Authority notes that the imports from the subject country have significantly increased during investigation period. Market share of the subject country has increased during the injury period with a significant increase during POI.

Assessment of demand

46. For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the subject goods, the sales volume of the domestic industry and other Indian producers have been added to the total imports into India, which has been summarized as under:

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Total Demand					
Sales of Domestic industry	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	138	133	198
Sales of other Indian producers	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	135	156	79
Imports from Korea RP	MT	3,336	3,158	2,980	6,030
Trend	Index	100	95	89	181
Imports from China PR	MT	1570	3287	1795	1831
Trend	Index	100	209	114	117
Imports from Other Countries	MT	746	415	831	1967
Trend	Index	100	56	111	264
Total Demand	MT	8,753	11,095	10,053	14,311
Trend	Index	100	127	115	164
Market Share of Demand					
Sales of Indian industry (Applicant + Other Indian Producers)	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	108	125	88
Imports from Subject Country	%	38.12	28.47	29.64	42.13
Trend	Index	100	75	78	111
Imports from Other Countries including China PR	%	26.45	33.37	26.12	26.54
Trend	Index	100	126	99	100

47. The Authority notes that the demand for PX13 has shown a positive trend and increased significantly in the period of investigation as compared to the base year. The growth in demand during period of investigation over base year was about 64%.

Price Effect

48. In order to ascertain the price effect of the imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry, the Authority has examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In order to assess the extent of price undercutting, the Authority has compared net sales realization of the domestic industry with the landed price of imports. The net sales realization was arrived, after deducting all rebates and taxes. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry, even after considering the anti-dumping measure in force.

49. In a review investigation, it is required to examine as to whether there has been a significant price effect by the dumped imports from the subject country as compared with the price of the like product in India, or whether there is likelihood of recurrence of price effect in case the duty is not enhanced.

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Landed Value-without anti dumping duty	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	76	113	88
Landed Value-with anti dumping duty	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	76	119	94
Net Sales Realization	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	91	125	115
Price Undercutting-without anti dumping duty	Rs./Kg	***	***	***	***

Trend	Index	100	346	322	556
Price Undercutting-with anti dumping duty	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	346	231	465
Price Undercutting-without anti dumping duty	%	0-10	15-25	10-20	25-35
Price Undercutting-with anti dumping duty	%	0-10	15-25	5-15	15-25

50. From the above, the Authority concludes that the landed price of imports of PX 13 from Korea RP is below the net selling price of the domestic industry. The imports from Korea RP are significantly undercutting the selling prices of domestic industry. Even after adding the existing anti-dumping duties to the landed value, the price undercutting is positive from the subject country.

Price underselling

51. The Authority has assessed the extent of price underselling by comparing non-injurious price of the domestic industry with the landed price of imports, as shown below:

	NIP Rs./Kg	Landed Value Rs./Kg		Price underselling (%)	
		With ADD	Without ADD	With ADD	Without ADD
M/s KKPC	****	****	164.70	****	****
				20-30	25-35
All other producers/ exporters from Korea RP	****	****	156.98	****	****
				25-35	30-40

52. From the above, the Authority notes that:

- The landed price of imports of PX 13 from Korea RP is significantly below the non-injurious price (NIP) of the domestic industry. Thus, the imports from Korea RP are significantly underselling the NIP of domestic industry.

Even after adding the existing anti-dumping duties to the landed value, the price underselling is positive.

b. The NIP of the domestic industry is higher than the net selling price of the domestic industry. Thus, the domestic industry is not able to realize fair selling price (i.e., NIP) for the subject goods (PX 13).

53. Considering the fact that the Authority is also required to look into the likelihood of continuation/recurrence of dumping and consequential injury to the Domestic Industry, Authority concludes that it is necessary to re-evaluate the injury margins for the purposes of comparison with dumping margin for determination of duty component.

Price suppression and depression

54. In order to assess as to whether imports from subject countries were suppressing/depressing the prices of the domestic industry, the Authority has compared the cost of production and net selling price of the domestic industry along with the landed price of imports over the injury period, which is given in the table below:

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Cost of Production	Rs./Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	96	122	109
Net Selling price	Rs./Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	91	125	114
Profit/Loss	Rs./Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	(9)	167	207
Average Landed price of imports	Rs./Kg	191.75	145.80	217.57	169.01
Trend	Index	100	76	113	88

55. The Authority notes that whereas both the cost of production and net selling price of PX 13 increased over the injury period, the increase in the net selling price was more than the increase in the cost of production. Thus, apparently the

price suppression/depression effect of the prices of the domestic industry is missing during the POI.

Other Economic Parameters Relating to the Domestic Industry

56. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an object examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of the subject goods. Further Annexure II (iv) of the Rules lays down as follows“

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

Actual Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales

57. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Installed capacity	MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	136	136	144
Production	MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	150	152	174
Capacity utilization	%	****	****	****	****
Trend	Index	100	111	112	121
Domestic sales	MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	138	133	198
Total Demand	MT	8,753	11,095	10,053	14,311
Trend	Index	100	127	115	164
Domestic sales in relation to demand	%	****	****	****	****

Trend	Index	100	109	116	121
-------	-------	-----	-----	-----	-----

58. The Authority notes from the above that the production, capacity utilization and sales of the domestic industry of PX13 have gone up in absolute term. The domestic sales of PX13 have increased in relation to the demand/consumption of the product in India.

Profits, return on investment and cash flow

59. Profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as under:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Profit before tax	Rs/Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	(12)	222	410
Profit before interest and tax	Rs/Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	(3)	253	400
Return on capital employed (NFA basis)	%	****	****	****	****
Trend	Index	100	(3)	231	274
Cash profit	Rs/Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	41	185	314

60. The Authority concludes that performance of the domestic industry for PX13 has improved over the injury period and the domestic industry is in profits. The Authority examined the profitability by considering the trends in the cost of production and selling prices over the injury period. It is found that both the cost of production and the selling prices increased throughout the injury period. But the increase in selling price is more than the increase in the cost of sales. Consequently, profitability of the domestic industry has significantly improved during the POI.

Employment, wages and productivity

61. Position with regard to employment, wages and productivity is as under:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Employment (Manpower strength)	Nos	****	****	****	****
Trend	Index	100	173	136	164
Wages	Rs/Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	109	105	166
Productivity per employee	Nos	****	****	****	****
Trend	Index	100	89	114	108
Productivity per day	Per Day	12	18	18	21
Trend	Index	100	150	152	174

62. The Authority notes that the productivity of the domestic industry for PX 13 improved with the improvement in production. Employment has increased during the POI after a decline during 2008-09. The wages have shown the same trend as that of the employment. The Authority, however, notes that the domestic industry is a multi-product company and hence, the employment by the domestic industry and wages paid by it may not be an appropriate parameter to evaluate the injury in the instant matter.

Inventories

63. Designated Authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the table below:-

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Average stock	MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	181	171	189
Average stock in terms of No. of days sales	Days	****	****	****	****
Trend	Index	100	109	100	101

64. The Authority notes that while the inventories of PX13 have shown significant increasing trend over the injury period as compared to the base year, the inventory ratio has marginally decreased during the corresponding period.

Magnitude of Margin of Dumping

65. The Authority concludes that the dumping margin from Korea RP is significant and above de-minimis level during the period of investigation.

Growth

66. The Authority notes that while the growth of domestic industry in terms of domestic sales, production, and capacity utilization, cash profits, profits and return on investment has been positive over the injury period, there has been substantial growth in the import volume from the Korea RP too.

Likelihood of continuation or recurrence of injury

67. As regards the issue of likelihood of injury, the Authority notes that despite the existence of the anti-dumping duty, the imports of PX 13 from the subject country increased significantly over the injury period. More importantly, these imports are at dumped prices and they are undercutting and underselling the prices of the subject goods of the domestic industry. The Authority concludes that non-modification of the anti-dumping duty is likely to lead to continuation of dumping and consequent injury to the domestic industry.

Magnitude of Injury and Injury margin

68. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from Korea RP for determination of injury margin during the POI. Thus compared, the injury margin is worked out as under:

Particulars	Unit	M/s KKPC	Others - Korea RP
Non-Injurious Price (NIP)	Rs./Kg	****	****
Landed Price without ADD	Rs./Kg	****	****

Injury Margin	Rs./Kg	****	****
Injury Margin (%)	%	25-35	30-40

Other Known Injury Factors and Causal Links

Volume and Prices from Other Countries

69. The other countries from where PX13 was imported are European Union, China, Japan, USA and Thailand. The Authority notes from the import statistics that imports of PX13 from European Union and China are already attracting duty and imports from Japan, USA and Thailand are either *de-minimis* or the export price is higher.

Contraction in Demand and / or Change in Pattern of Consumption

70. The Authority notes that there is no contraction in demand for product under consideration in India. Possible decline in the demand has not, therefore, caused material injury to the domestic industry. Demand of the product in India marked significant increases over the years. There is also no indication of any change in the consumption pattern.

Trade Restrictive Practices of and Competition between the Foreign and Domestic producers

71. The Authority notes that the import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. The domestic producers compete among one another and at the same time compete with the landed prices of the subject goods. The price of the domestic industry is influenced substantially by the landed price of subject goods. Moreover, no evidence has been submitted by any interested party even to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.

Development of Technology

72. The Authority notes that the technology as also production process for producing PX13 is fairly stabilized with little technical or technological developments. There is no known difference between the technology deployed by the petitioner and producers in subject countries.

Export Performance

73. The Authority concludes that the injury claimed by the domestic industry is not due to possible deterioration in the export performance of PX13 as the Authority has excluded the export performance from the injury analysis made in earlier paragraphs.

CONCLUSIONS

74. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and the facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that the subject goods are entering the Indian market from Korea RP at dumped prices and dumping margin is significant and above the de-minimis limits prescribed. It is seen that the subject goods continue to be exported to India at dumped prices inspite of the existing anti-dumping duties. Though, the situation of domestic industry has improved due to the existing anti-dumping duties, it is noted that price undercutting and price underselling are significant from Korea RP. Hence, injury to the domestic industry is likely to recur in case the present antidumping duties are not modified.

RECOMMENDATIONS

75. Having concluded as above, the Authority is of the opinion that the existing anti-dumping measure is required to be modified in respect of imports of the subject goods from Korea RP as specified in the duty table below.

76. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duties equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty as per the amount specified in Col 8 of the Table below is recommended to be imposed in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from Korea RP from the date of the notification to be issued in this regard by the Central Government.

Duty Table

Sl. No.	Heading/ Sub- heading	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Curren- cy
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	292519 292520 293420 381210 381212 381220 381230	Rubber Chemical PX 13 (6PPD) having chemical description N-(1,3- dimethyl butyl)-N' Phenyl-P-1 or 6C, Pilflex 13, Sirantox 4020 Antioxidant 4020, Kumhonax 13 Vulcanox 4020 etc."	Korea RP	Korea RP	Kumho Petroche micals Compan y Ltd.	Kumho Petroche micals Company Ltd.		Per Kg	Rs.
2	292519 292520 293420 381210 381212 381220 381230	-Do-	Korea RP	Korea RP	Any combination of Producer and Exporter other than at 1 above			Per Kg	Rs.
3	292519 292520 293420 381210 381212 381220 381230	-Do-	Korea RP	Any Country	Any other than above	Any other than above		Per Kg	Rs.
4	292519 292520 293420 381210 381212 381220 381230	-Do-	Any country other than China PR and EU	Korea RP	Any other than above	Any other than above		Per Kg	Rs.

77.Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs expect duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

78.An appeal against the order of the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

VIIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority